हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 31 ● भिलाई, मंगलवार 18 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रिंबी-सिंगलिताम में बढ़ रही भूस्खलन की घटनाएं, 150 से अधिक लोग खतरे में

गंगटोक । पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिले के युक्सम सब-डिविजन अंतर्गत रिंबी-सिंगलिताम में पिछले शुक्रवार देर रात से भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रहीं हैं। दिन-रात हो रहे भूस्खलन की गतिविधि से रिहायशी इलाकों और कृषि भूमि को खतरा पैदा हो गया है। प्रभावित क्षेत्र में 38 परिवारों के 150 से अधिक लोग आते हैं। इनमें रिंबी के 30 और सिंगलिताम के आठ परिवार शामिल हैं। भूस्खलन के लगातार खतरे को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन को तत्काल खबर की। खिसकने को देखते हुए जिला प्रशासन ने बचाव एवं राहत अभियान तेज कर दिया है। प्रशासन की ओर से संवेदनशील परिवारों की पहचान कर उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम किया गया। प्रभावित और जोखिम वाले परिवारों के लिए अस्थायी आश्रय एवं राहत व्यवस्था भी प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। घटना को देखते हुए क्षेत्र विधायक एवं मंत्री टीटी भूटिया ने शनिवार को प्रभावित रिंबी-सिंगलिताम क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

दीवार में सेंध लगाकर घर में घुसे बेख़ौफ़ चोर

बाराबंकी। जिले में चोरी की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सफ्दरगंज थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए दीवार में सेंध लगा दी और कमरे में रखा 70 लीटर मेंथा ऑयल, जेवरात और 12 हजार रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए। रात में परिवार की नींद खुलने पर चोरी की जानकारी हुई, जिसके बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार सफ्दरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मुबारकपुर निवासी अमित कुमार पुत्र राम मनोहर शनिवार रात परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर में सो गए थे। बताया जा रहा है कि मध्य रात्रि करीब 1 बजे अज्ञात चोरों ने घर के पीछे की दीवार में सेंध काटी और इसी रास्ते से कमरे के अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कमरे में रखे सामान को खंगाला और मौका पाकर 70 लीटर मेंथा ऑयल समेत घर में रखे जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में लूट का आरोपी सोनू घायल, पैर में लगी गोली

बाराबंकी। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान मोहम्मदपुर खाला पुलिस की एक संदिग्ध अपराधी से मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्ध ने रुकने के बजाय भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घायल आरोपी के कब्जे से लूट के दो मोबाइल फोन, अवैध .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस तथा मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है।

एक दर्जन से अधिक लोग घायल

बिहार के अशोक धाम मंदिर में भगदड़,7 कांवरियों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

सावन का तीसरा सोमवार आज बिहार के लिए काल बनकर आया, दरअसल लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में आज सोमवार की सुबह अचानक भगदड़ मचने से 7 कांवरियों की मौत हो गई। वहीं, एक दर्जन से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सावन का तीसरा सोमवार होने की वजह से अशोक धाम मंदिर में कांवरियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। इस बीच पूजा-अर्चना के बीच अचानक भगदड़ मच गई। देखते ही देखते लोग एक दूसरे पर गिरने लगे और अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। दरअसल आज सावन का तीसरा सोमवार और नाग पंचमी का त्योहार होने के कारण अशोक धाम मंदिर में सुबह से ही भारी संख्या में लोग पूजा-अर्चना करने पहुंच रहे थे। स्थानीय लोगों के अलावा दूर-दराज से भी श्रद्धालु और कांवरियां भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पहुंचे हुए थे। समय के साथ यह भीड़ और भी बढ़ती गई। मंदिर में आने-जाने का सीमित और सकरा रास्ता होने की वजह से मंदिर के बाहर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लग गई। इस बीच अचानक बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ जैसे हालात हो गए। लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और सभी एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। इस दर्दनाक हादसे में जहां 7 कांवरियों की

जान चली गई। वहीं, कई श्रद्धालु घायल हो गए। अशोक धाम मंदिर में मचे भगदड़ को लेकर जो प्रारंभिक जानकारी सामने आई है, उसकी सबसे बड़ी वजह अचानक बढ़ी भीड़ को बताया जा रहा है। हालांकि भगदड़ कैसी मची? इसकी वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने एंबुलेंस व अन्य साधनों के माध्यम से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन की ओर से घायलों के इलाज और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। अशोक धाम मंदिर में मचे भगदड़ को लेकर भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था भी उठ रहा है। सवाल यह भी है कि क्या प्रशासन द्वारा सोमवार और नाग पंचमी त्योहार को ध्यान में रखते हुए मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग रास्ते, बैरिकेडिंग, कतार की पर्याप्त व्यवस्था, भीड़ के दबाव की लगातार निगरानी और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी या नहीं? फिलहाल यह तो जांच का विषय है। ऐसे में अब देखने वाली बात होगी प्रशासन इस भगदड़ को लेकर क्या कुछ कार्रवाई करता है। एसडीपीओ शिवम कुमार ने बताया कि घटना में सात लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं।

अशोकधाम भगदड़ मामले में पीएम नरेंद्र मोदी ने जताया दुख

अशोकधाम भगदड़ मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया। उन्होंने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, बिहार के लखीसराय में भगदड़ के कारण लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।' स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने भी लखीसराय में भगदड़ के दौरान श्रद्धालुओं की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मर्माहत हूं। ? शांति। श्रावण सोमवार के अवसर पर आज सुबह लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना से मन व्यथित है।

कांग्रेस पर बड़ा हमला

राहुल गांधी पाकिस्तान के राष्ट्रपति जैसे:आचार्य प्रमोद

नई दिल्ली। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई को लेकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने दोनों नेताओं से झारखंड जाकर छात्रों की समस्याएं सुनने और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात करने की अपील की। राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बेहद तीखी टिप्पणी की और उन्हें पाकिस्तान के राष्ट्रपति जैसा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और पाकिस्तान के नेतृत्व का कथित एजेंडा हिंदुओं को खत्म करना है। उन्होंने राहुल गांधी पर 'वंदे मातरम्' को लेकर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह

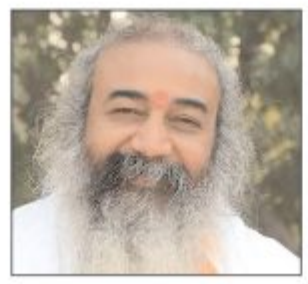

राष्ट्रीय गीत गाने वालों को रोकने वालों का समर्थन करते हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं और भारत के प्रधानमंत्री तथा दूसरे देशों के नेताओं के साथ भारत के संबंधों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

खेती मेरे लिए आजीविका नहीं, जीवन का संस्कार

गृहग्राम बगिया में सुबह-सुबह खेत में उतरकर मुख्यमंत्री साय ने हल चलाकर की बियासी...

रायपुर। किसान परिवार में जन्मे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अपनी माटी और खेती-किसानी से गहरा जुड़ाव एक बार फिर देखने को मिला। मुख्यमंत्री साय आज सुबह जशपुर जिले के अपने गृहग्राम बगिया में खेत पहुंचे और पारंपरिक रूप से हल चलाकर बियासी की। खेत में उतरकर हल की मूठ थामे मुख्यमंत्री साय सहज ही एक किसान की भूमिका में नजर आए। इस दौरान उन्होंने खेती-किसानी से जुड़ी अपनी पुरानी स्मृतियों को भी साझा किया। मुख्यमंत्री साय ने हरे-भरे खेत में मिट्टी की सौंधी सुगंध और बैलों के साथ खेती करते हुए कहा कि अपने गांव, अपनी माटी और अपने खेत से जुड़ाव का सुख ही अलग है। हल की मूठ थामते ही खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी स्मृतियां एक बार फिर जीवंत हो उठती हैं। खेतों के बीच बिताया समय मन को असीम सुकून देने के साथ नई ऊर्जा से भर देता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और बचपन से खेती-किसानी को बहुत करीब से देखा और अनुभव किया है। खेती उनके लिए केवल

आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है। गांव और खेतों ने ही उन्हें श्रम का सम्मान करना, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना सिखाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की माटी, मेहनतकश किसानों और समृद्ध कृषि परंपराओं से जुड़ी हुई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। पीढ़ियों से हमारे किसान अपने परिश्रम से धरती को सींचते हुए प्रदेश की समृद्धि की नींव मजबूत करते आए हैं। छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार, परंपराएं और ग्रामीण जीवन भी कृषि से गहराई से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी अपनी परंपराओं और जड़ों से जुड़ाव बनाए रखना महत्वपूर्ण है। खेती हमें परिश्रम, धैर्य और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है। किसान खेत में केवल फसल नहीं उगाता, बल्कि अपने श्रम से पूरे समाज के जीवन और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी संबल देता है।

केजरीवाल ने किया समर्थन

ई20 विवाद पर सीईए अनंथा नागेश्वरन की ई10 सलाह दी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत में ई20 पेट्रोल को लेकर जारी बहस के बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार वी। अनंथा नागेश्वरन ने पुराने वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल फिर से उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित लेख में नागेश्वरन और उनके सह-लेखक आकाश पुजारी ने कहा कि देश के एथेनॉल कार्यक्रम को जारी रखते हुए पुराने वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की जरूरत है। उनका कहना है कि भारत में करीब 7 15 से 8 करोड़ दोपहिया वाहन ऐसे हैं, जिन्हें ई10 के हिसाब से डिजाइन किया गया था। ज्यादा एथेनॉल वाले

ईंधन से इन पुराने वाहनों में रबर सील और फ्यूल सिस्टम से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं। सीईए ने साफ किया कि वह ई20 नीति खत्म करने की वकालत नहीं कर रहे, बल्कि पुराने वाहनों के मालिकों को ई10 का विकल्प देने की बात कह रहे हैं। इस सुझाव पर राजनीतिक और उद्योग जगत से भी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। नागेश्वरन आगे लिखते हुए कहा कि पंप पर ई20 पेट्रोल खरीदने के विकल्प के साथ-साथ ई10 जैसे कम एथेनॉल मिक्स को फिर से दोबारा उपलब्ध कराने से लोगों की चिंता थोड़ी कम होगी सकती है। एथेनॉल की कुल खपत बढ़ने के स्थान पर कम होगी और वहीं पुरानी गाड़ियों को मजबूती भी मिलेगी, जब तक कि उन्हें नए सिस्टम के अनुसार तैयार करने का कार्यक्रम आगे बढ़ जाता है। उनके मुताबिक इससे एक प्रैक्टिकल रास्ता मिल सकता है। जब तक पुराने वाहनों को धीरे-धीरे बदलना या नए फ्यूल के हिसाब से तैयार नहीं किया जाता।

अब विनयतोष मिश्र के हाथों में ओडिशा पुलिस की कमान, महिला सुरक्षा और नशामुक्ति होगी पहली प्राथमिकता

कटक। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विनयतोष मिश्र ने रविवार को ओडिशा के कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाल लिया। 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी मिश्र ने कटक स्थित पुलिस मुख्यालय में निवर्तमान डीजीपी योगेश बहादुर खुरानिया से औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। राज्य सरकार की ओर से नियमित डीजीपी के नाम की घोषणा होने तक वह कार्यकारी डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्तमान में वह क्राइम ब्रांच के डीजी के पद पर भी कार्यरत हैं।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जांच पर लगी रोक

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए कानूनी मोर्चे पर एक बड़ी खुशखबरी आई है। सोमवार, 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी अंतरिम राहत प्रदान की है। शीर्ष अदालत ने न केवल इस मामले में सीबीआई और ईडी की जांच पर रोक लगा दी है, बल्कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में होने वाली आगामी सुनवाई पर भी स्टे लगा दिया है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी के

खिलाफ लगे आरोपों की जांच और उनके सत्यापन के निर्देश केंद्रीय एजेंसियों को दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस आदेश को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई की और सीबीआई व प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट 20 अगस्त को प्रस्तावित अपनी सुनवाई को फिलहाल टाल दे। इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने की, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत' के महत्व को रेखांकित किया। अदालत ने कहा कि इस तरह की कानूनी कार्यवाही में निष्पक्षता का पालन अनिवार्य है। पीठ ने इस बात पर भी सवाल उठाए कि जिस तरह से हाईकोर्ट ने सीधे जांच एजेंसियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

बीजेपी की 'नवीन' टीम का ऐलान

स्मृति ईरानी को महामंत्री,वसुंधरा राजे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाई गई

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों का एलान कर दिया। पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबिक, नई टीम में कई वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार, वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, सरदार मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है, जिससे संगठन में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा गया है। नई टीम में स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। दोनों नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की जारी सूची में बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) के पद पर बरकरार रखा गया है। वहीं शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। नई राष्ट्रीय टीम में महिला नेताओं की भी अच्छी भागीदारी दिखाई देती है।

वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। इस तरह पार्टी की नई संगठनात्मक टीम में कई महिला नेताओं को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जिम्मेदारियां मिली हैं। भाजपा की नई सूची में राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के नेताओं को शामिल किया गया है। पार्टी के केंद्रीय संगठन में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जिम्मेदारी दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के विस्तार और समन्वय को मजबूत करने का संकेत मिलता है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. अनुभव और ऊर्जा से समृद्ध यह टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम के सभी सदस्य, कार्यकर्ता भाव से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प और राष्ट्रसेवा के ध्येय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नई टीम में छत्तीसगढ़ को मिली जगह,रूप कुमारी चौधरी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन की चिर प्रतिक्षित नई टीम का आज ऐलान हो गया है. टीम में छत्तीसगढ़ को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है, जिसमें महासमुंद सांसद रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा की राष्ट्रीय

अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, वहीं दीपक महरके को सोशल मीडिया का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है. बात करें रूपकुमारी चौधरी की तो छत्तीसगढ़ की महासमुंद लोकसभा सीट से चुनी गई भारतीय जनता पार्टी की सांसद है. अघरिया समाज से आने वाली रूप कुमारी जमीनी राजनीति की मजबूत पहचान रखती हैं. इससे पहले वे बसना विधानसभा सीट से विधायक रह चुकी हैं।

देशभक्ति की भावना व हर्षोल्लस के साथ जिले में मनाया गया स्वतंत्रता

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जिला स्तरीय समारोह मे किया ध्वजारोहण

बलौदाबाजार। 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह जिले में देशभक्ति की भावना के साथ हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण मे मनाया गया। जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल ने स्थानीय पंडित चक्रपणी हाईस्कूल मैदान में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करते हुए राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्य-योजनाओं की जानकारी दी। अग्रवाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिजनों का कुशलक्षेम पूछते हुये शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय योजनाओं कार्यालयीन कार्यों में उत्कृष्ट कार्य के लिए शासकीय कर्मियों का भी जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित कर शुभकामनाएं दी। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाईस्कूल मैदान में जिला स्तरीय समारोह सवेरे 9 बजे हुआ। ध्वजारोहण पश्चात केंद्रीय अर्द्ध सैनिक पुलिस बल, जिला पुलिस बाल,नगर सेना, एनसीसी, स्काउट गाइड एवं रेडक्रॉस की टुकड़ी ने झण्डे एवं अतिथि को शानदार सलामी दी। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक श्रीमती उषा ठाकुर एवं सेकेण्ड टू आईसी प्रशिक्षु सूबेदार पुष्पेंद्र राज खटर्जी ने किया। समारोह में हर्ष और उल्लास के प्रतीक के रूप में रंगीन गुब्बारे आसमान में उड़ाये गये। अग्रवाल ने जिलें के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजन लक्ष्मी ठाकुर, सावित्री सोनी, वीर शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा, आरक्षक हुमेश्वर प्रसाद कुर्रे, हीरा लाल गायकवाड़, संतराम साहू, धनंजय वर्मा, संतोष ध्रुव, नरेश कुमार ध्रुव, मिथिलेश कुमार साहू, टेकराम वर्मा, प्रधान आरक्षक हेमलाल कौशिक के परिजनों का श्रीफल एवं साल से सम्मान कर उनका हाल- चाल जाना। इसके अतिरिक्त जिले के मीसाबंदियो का भी सम्मान किया गया। सीनियर मार्च पास्ट में बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रथम पुरस्कार जिला महिला पुलिस बल, द्वितीय पुरस्कार जिला पुरुष पुलिस बल एवं तृतीय पुरस्कार जिला नगर सैनिक को मिला। जूनियर मार्च पास्ट में प्रथम पुरस्कार स्काउट गुरुकुल इंग्लिश मीडियम स्कूल बलौदाबाजार, द्वितीय पुरस्कार गाइड गुरुकुल इंग्लिश हाई स्कूल बलौदाबाजार एवं तृतीय गाइड पण्डित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल बलौदाबाजार को मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रम मे प्रथम पुरस्कार पण्डित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल बलौदाबाजार, द्वितीय पुरस्कार गुरुकुल इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार एवं तृतीय पुरस्कार सेक्रेट हार्ट हाई स्कूल बलौदाबाजार को मिला। इसके साथ ही सांसद अग्रवाल ने मुख्य मंच से करीब 71 अधिकारी-कर्मचारियों को उनके बेहतर सेवा के लिए जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया। इनमें राजस्व विभाग से परमानंद पैकरा,सुरेंद्र कुमार, कृष्णा कुमार अनुविभाग कसडोल से डिप्टी कलेक्टर तहसीलदार सोनाखान देवाशीष कुर्रे, तहसीलदार टुंड्रा युवराज कुर्रे, तहसीलदार कसडोल विवेक कुमार पटेल, पटवारी नोहर लाल साहू, योगेश ठाकुर,संजीव साहू,रामकुमार राते, गौरीशंकर वर्मा, खगेश कुमार साहू, लाभोराम भोई, चिरंजीव शर्मा, तहसील सुहेला से कोटवार रोशन कुमार मानिकपुरी, भू अभिलेख शाखा से सुरेश देवांगन, इन्द्रपाल टेकाम, रमेश कुमार साहू, जिला पंचायत से शैलेंद्र भार्गव, निर्वाचन विभाग से रविशंकर प्रजापति, श्रम विभाग से सत्यनारायण अनंत, कृष्णा साहू, पशु विभाग से रामशंकर कंवर, नगर पंचायत रोहांसी से शंकर कुमार, कृषि विभाग से आयुष सिंह, हेमंत डडसेना, जयसिंह पैकरा, ऊर्जा विभाग से खगेश्वर प्रसाद साहू, सहकारिता विभाग से धर्मेंद्र कुमार शर्मा, परिवहन विभाग से संजय कुमार साहू,जल संसाधन संभाग क्रमांक 2 बलौदा बाजार से डीकेश्वर साहू, उद्यान विभाग से संतोष कुमार साहू, मत्स्य विभाग से सेवक निषाद, श्याम पटेल, जिला नगर सेनानी से मेजर सोनसाय खेरे, पुरीराम डांडेकर, जितेंद्र कुर्रे, रेवाराम यादव, ज्वाला प्रसाद ,राहुल निर्मलकर, चंद्रशेखर जायसवाल, शिखर प्रधान, जितेंद्र पैकरा, प्रमोद कुमार श्रीवास, मनकूराम ध्रुव, उमेश कुमार साहू, संदीप बंजारे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से गजेंद्र कुमार पटेल, विद्युत विभाग से अरविंद कुमार बर्मन, संपर्क केंद्र से नितेश माकड़े, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. कल्याण सिंह कुरूवंशी, राहिल रानी देहारी, जिला कोषालय से भूपेंद्र सिंह मरावी, जिला शिक्षा अधिकारी से भारती वर्मा, नगर सेना संलग्न जिला कार्यालय से सुअनुराधा कश्यप, विद्युत विभाग संभाग भाटापारा से हनीफ मोहम्मद, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्रियंका कैवर्त, लक्ष्मी साहू, रेवती साहू, लता वर्मा, पुलिस विभाग से हेमंत पटेल, मेघनाथ बंजारे, राजेश चंद्राकर, राजकुमार ध्रुव, विनय पटेल, त्रिलोक नाथ वर्मा, राजकुमार ध्रुव, शंकर पैकरा, गुमान जायसवाल, मोहन मेश्राम, देवेन्द्र पुरैना एवं हम होंगे कामयाब 2.0 के युवा शामिल है।

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिला प्रशासन की ओर से प्रमाण पत्र

कुरूद नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर ने किया

कुरूद। नगर पालिका कार्यालय भवन में कुरूद नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर के करकमलों से ध्वजारोहण किया गया। नगर के समस्त जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारी-कर्मचारी के उपस्थिति मे अध्यक्ष ने नगरवासियों को बधाई दी। इसी प्रकार नगर के समस्त चौक चौराहों में सभी वार्डों के पार्षदों द्वारा ध्वजारोहण किया गया, विभिन्न समाजिक संगठनों द्वारा भी चयनित जगहों में गणमान्य नागरिकों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस बार कुरूद में राष्ट्रीय उत्सव को विशेष महोत्सव बनाने के लिए राष्ट्रीय पर्व को बहुत ही भव्य तरीके से नगर पालिका बनने के बाद यह नगर के लिए प्रथम स्वतन्त्रता दिवस पर्व है, शैक्षणिक संस्थाओं एवं प्रशासन के सहयोग से 15 अगस्त का उत्सव बहुत ही धूम धाम से मनाया गया, मुख्य ध्वजारोहण समारोह एवं विधार्थियों का सम्मान समारोह मंगल भवन नगर पालिका परिसर मे ही कुरूद में मुख्यअतिथी ज्योति भानु चन्द्राकर अध्यक्ष नगर पालिका कुरूद द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लिये, कुरूद के अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर ने अपने संदेश वाचन में कहा विष्णु के सुशासन, उपमुख्यमंत्री मा. अरुण साव जी के निरंतर सहयोग से अजय के विकास रथ को नगर में निरंतर विकास किया जा रहा है, इसके साथ साथ विभिन्न समाजिक सेवा और धार्मिक सेवाओं के माध्यम से पिछले 18 महिनो में हर वर्गों के लिए सभी तरह से कार्य हमारे नये परिषद के साथियों के सहयोग ये कार्य किया जा रहा है, कुरूद वासियों के लिए यह 18 माह उपलब्धियों से भरा रहा, उन्होंने नगरवासियों से ये भी अपील किये अपने घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का कचरा नगरपालिका कर्मी को ही दें, कुरूद को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें। ट्रैफिक व्यवस्था मे भी अपने वाहनों को व्यवस्थित और उचित स्थान में रखें, नगर के मुख्य मार्गों में ट्रैफिक जाम न करे, मुख्य मार्गों में अतिक्रमण कर कोई भी व्यवसाय न करें, ये अपील है आप सबों से, इस अवसर पर कुरूद विधायक अजय चन्द्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर एवं गणमान्य अतिथियों ने कुरूद के समस्त नागरिकों को केनाल रोड मे भारत माता चौक सौंदर्यीकरण कार्य कर भारत माता के आदमकद प्रतिमा एवं अटल बिहारी बाजपेयी स्टेडियम में बाक्स क्रिकेट का सौग़ात दिये है एवं स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

अटल के विचार, राष्ट्रसेवा का संकल्प सदैव देश को दिखाता रहेगा मार्ग : महापौर

धमतरी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे विराट व्यक्तित्व थे, जिन्होंने राजनीति को सेवा, सिद्धांत और राष्ट्रहित के साथ नई दिशा प्रदान की। वे एक कुशल प्रशासक, प्रखर वक्ता और संवेदनशील जननेता होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखा। उनके नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और राष्ट्रीय गौरव के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उनकी ओजस्वी वाणी, सरल व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरणा देता है। महापौर ने कहा कि अटल की पुण्यतिथि पर हम सभी उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लें। उनके सपनों के सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महापौर रामू रोहरा ने अटल बिहारी वाजपेयी के चरणों में कोटि.कोटि नमन करते हुए कहा कि अटल जी का विचार और आदर्श सदैव देश की राजनीति एवं जनसेवा को दिशा देते रहेंगे।

हल्द्वानी की घटना संविधान और सामाजिक न्याय पर प्रहार : तारिणी

धमतरी। धमतरी में एक विशाल विरोध प्रदर्शन और पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह कदम उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस की एक रैली के बाद भाजपा समर्थित संगठन द्वारा किए गए तथाकथित शुद्धिकरण अनुष्ठान के खिलाफ उठाया गया है। राजीव भवन से शुरू होकर मकई चौक तक निकाली गई। इस पदयात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने केंद्र की भाजपा सरकार और विचारधारा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मकई चौक पर कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करते हुए नेताओं ने इस कृत्य को भारतीय लोकतंत्र और संविधान पर एक गहरा आघात बताया। तारिणी चंद्राकर ने कहा यह केवल हमारे सम्मानीय राष्ट्रीय अध्यक्ष का अपमान नहीं है, बल्कि देश के करोड़ों शोषितों, वंचितों और सजग नागरिकों की गरिमा पर सीधा प्रहार है। भारत का संविधान हर नागरिक को समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय का अधिकार देता है। एक लोकतांत्रिक समाज में इस तरह की छुआछूत और भेदभावपूर्ण मानसिकता के लिए

कोई जगह नहीं है। कांग्रेस के नेताओं ने आरोप लगाया कि इस तरह के कृत्य सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी भाजपा द्वारा पोषित की जा रही विभाजनकारी राजनीति का सीधा परिणाम हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जब.जब विपक्ष जनता के मुद्दों को लेकर जमीन पर मजबूत होता है, तब.तब ध्यान भटकाने और समाज को बांटने के लिए ऐसे घृणित हथकंडे अपनाए जाते हैं। इस दौरान पात्र्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, विधायक ओंकार साहू, विधायक अंबिका मरकाम, पूर्व विधायक गुरमुख सिंह होरा, लेखराम साहू, लक्ष्मी ध्रुव, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन लालवानी, शरद लोहाना, मदन मोहन खंडेलवाल, जिला पंचायत सदस्य कविता बाबर, पूर्व पीसीसी सचिव आनंद पवार, संगठन महामंत्री अरविंद दोषी, एआईसीसी प्रवक्ता रजत जसूजा, जिला उपाध्यक्ष सूर्याराव पवार, सलीम रोकडिया, वसीम कुरैशी, नरेश जसूजा, जानसिंह यादव, जिला महामंत्री आलोक जाधव, योगेश लाल, विक्रांत शर्मा, रमेशर साहू, विक्रांत पवार, डेमार साहू, मनीषा साहू, कृष्णा मरकाम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोविंद साहू, ब्लॉक अध्यक्ष खिलेंद्र ध्रुव, महिम शुक्ला, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेंद्र सोनवानी, सेवा दल जिलाध्यक्ष होरीलाल साहू, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष शास्त्री सोनवानी, जिला सचिव खिलेन्द्र साहू, राजेश पांडे, रामनाथ यादव, बिसौहाराम साहू, कामराय साहू, उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन, मोहनलाल देवांगन, विजय प्रकाश जैन, अनुसूईया साहू, नीलमणी साहू, उदित साहू, धर्मेंद्र पटेल, संतोष हिरवानी, शत्रुघ्न साहू, चित्रांश रजक, तिलक सोनकर, गीतराम सिन्हा, अंबर चंद्राकर, आशुतोष खरे, प्रवीण साहू, सूरज पासवान, मोहन ध्रुव, नवीन गजेंद्र, हेमलाल बंजारे, योगेश्वर साहू, अजय सिन्हा, वतांजलि गोस्वामी, गनेश्वरी कामडे, समीना अंजुम, नमन बंजारे, डिकेश देवांगन, मानिक साहू सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस, विधायक अजय चंद्राकर ने किया

धमतरी। जिले में देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और उत्साह के वातावरण में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय ढंग से मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित एकलव्य खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि विधायक अजय चंद्राकर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ और तीन रंगों के गुब्बारों को शांति एवं स्वतंत्रता के प्रतीक स्वरूप आकाश में छोड़ा गया। मुख्य अतिथि अजय चंद्राकर ने परेड का निरीक्षण किया तथा विभिन्न टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत शानदार मार्चपास्ट की सलामी ली। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनता के नाम संदेश का वाचन किया। समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जिला मुख्य समारोह में 12 टोलियों ने हिस्सा लिया जिसमें 4 टोली शस्त्र सहित और 8 टोली स्कूली एनसीसी, एनएसएस की टुकड़ी शामिल थी। परेड के चीफ कमाण्डर विपुल आनंद जांगड़े और परेड कमांडर सूबेदार टोपेस्वर सिंह के नेतृत्व में मार्चपास्ट किया गया। कार्यक्रम के अंत में मार्चपास्ट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों को शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विधायक अजय चंद्राकर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा शहीदों के परिजनों से आत्मीय मुलाकात कर उनका सम्मान किया। उन्होंने उन्हें साल एवं श्रीफल भेंट कर राष्ट्र की स्वतंत्रता और देश की रक्षा में उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह में विधायक ओंकार साहू, महापौर रामू रोहरा, पूर्व विधायक रंजना साहू, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

समारोह में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और उमंग का संचार किया तथा उपस्थित दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया।

पहली बार घुड़सवारी के रोमांचक प्रदर्शन ने जीता दर्शकों का दिल

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह में पारंपरिक परेड और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ घुड़सवारी के हैरतअंगेज करतब विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। ब्रिगो हेक्टर कंपनी द्वारा प्रशिक्षित घोड़ों और कुशल घुड़सवारों के समन्वय से रोमांचक हॉर्स राइडिंग प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। संस्था की संचालक गीता दहिया के नेतृत्व में घुड़सवारों ने टैड पैकिंग, बकेट पैकिंग, ग्रुप टैड पैकिंग, ईंडियन फाइल, जंपिंग तथा ईंडियन फ्लैग सहित विभिन्न आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। घोड़ों की तेज गति, संतुलन और घुड़सवारों की दक्षता से भरे इन करतबों ने दर्शकों में रोमांच पैदा कर दिया। विशेष रूप से भारतीय ध्वज के साथ प्रस्तुत घुड़सवारी ने देशभक्ति के वातावरण को और भावपूर्ण बना दिया। प्रदर्शन के दौरान मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह में परेड की अनुशासनबद्ध प्रस्तुति, विद्यार्थियों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और घुड़सवारों के रोमांचकारी करतबों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को विशेष और यादगार बना दिया।

क्रिकेट से भाईचारा का सन्देश, स्वतंत्रता दिवस पर सद्भावना मैच का आयोजन

बलौदाबाजार। सदभाव और भाईचारा का सन्देश देने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सदभावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में आयोजित सदभावना क्रिकेट मैच मे प्रशासन एकादश और पत्रकार इलेवन की टीम ने भाग लिया। मैच में दोनों टीमों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें प्रशासन एकादश की टीम ने बेहतर प्रदर्शन कर विजेता बना।विजेता टीम के कप्तान कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं उप विजेता टीम के कप्तान नरेश गनशानी को ट्रॉफी प्रदान किया गया। टॉस जीत कर पत्रकार इलेवन की टीम ने पहले बल्लेबाजी चुना और निर्धारित 8 ओवर में 3 विकेट खोकर 123 रन बनाए ।124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रशासन एकादश की मजबूत टीम ने 7 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया । इस

तरह से प्रशासन एकादश 7 विकेट से विजयी हुआ। बैटिंग और बॉलिंग में बेहतर प्रदर्शन करने पर प्रशासन एकादश से प्रेम निषाद को ऑल राउंडर,बेस्ट फिल्डर आशीष तिवारी, बेस्ट बैट्स मैन के लिए पत्रकार इलेवन से खिलेश्वर जायसवाल एवं बेस्ट बॉलर के लिये दिलीप माहेश्वरी को ट्रॉफी प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर सदभावना मैच का आयोजन अच्छी पहल है जिसमें प्रशासन और नागरिकों मे मेल- मिलाप बढ़ता है और एक दूसरे को जानने का भी मौका मिलता है। इस बार बॉलिंग मे एक खिलाडी एक ओवर नियम से सभी को बॉलिंग का मौका मिला। खेल में हार -जीत होता ही है, दोनों टीम के खिलाड़ियों ने टीम भावना के साथ उत्साह के साथ खेला। इस अवसर पुलिस अधीक्षक गौरव राय,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा,खेल अधिकारी प्रीति बंछोर सहित अधिकारी- कर्मचारी, पत्रकार एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

चैंबर आफ कामर्स के पदाधिकारियों द्वारा किया ध्वजारोहण, बड़ी संख्या में उपस्थित रहे व्यापारीगण

सरायपाली। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स नगर इकाई द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में ध्वजारोहण का कार्यक्रम चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल के दुकान भरतलाल कपड़ा दुकान के सामने एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स नगर इकाई के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुष्प लता चौहान, संजय शर्मा, विपिन उबोवेजा, छतर सिंह नायक, स्वर्ण सिंह सलूजा, सचिव सेवा शंकर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष, मनोज जैन सदस्य, शंकर लाल अग्रवाल, एमपी ट्रेडिंग, जनाब खान, कैलाश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, रतन जैन, सुनील अग्रवाल जय बजरंगबली हार्डवेयर, विजय अग्रवाल, विकास अग्रवाल अखूतर खान सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर सांसद चौधरी ने किया ध्वजारोहण

गरियाबंद। जिला मुख्यालय गरियाबंद के पुलिस परेड ग्राउंड में 80वीं स्वतंत्रता दिवस गरिमामय माहौल में मनाया गया। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। मंच पर कलेक्टर बी.एस. उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर उपस्थित थे। ध्वजारोहण के बाद सभी उपस्थित नागरिकों ने राष्ट्रगान गाया। समारोह के मुख्य अतिथि चौधरी ने जनता के नाम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संदेश का वाचन किया। मुख्य अतिथि ने खुशहाली के प्रतीक गुब्बारे को आसमान में छोड़ा। समारोह में परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक सनत कुमार ठाकुर के निर्देशन में मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति और छत्तीसगढ़ की परंपरा एवं संस्कृति से परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। बच्चों की संगीतमय नृत्य और कला की प्रस्तुति ने

दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि चौधरी ने शहीद परिवार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। पुरस्कार वितरण अंतर्गत परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक सनत कुमार ठाकुर, परेड कमांडर टू आईसी प्रशिक्षु सूबेदार अभिनव सिंह राजपुत, प्रशिक्षु उप निरीक्षक मुकेश कुमार बंजारे को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि चौधरी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया। इनमें माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल गरियाबंद, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गरियाबंद द्वितीय एवं तृतीय श्रद्धा पब्लिक स्कूल गरियाबंद को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान पोस्ट मेट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास गरियाबंद, द्वितीय स्थान पर स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय गरियाबंद एवं तृतीय स्थान पर सरस्वती शिशु मंदिर गरियाबंद को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार वर्ग ए मार्च पास्ट प्रोफेशनल में प्रथम स्थान पर 17/19वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सुरक्षा बल कबीरधाम पोखरण, द्वितीय स्थान पर जिला पुलिस बल महिला गरियाबंद एवं तृतीय स्थान पर नगर सेना महिला गरियाबंद को मिला। मार्च पास्ट नान प्रोफेशनल वर्ग में प्रथम स्थान पर एसपीसी गर्ल शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद, द्वितीय में स्काउट कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गरियाबंद एवं स्काउट हायर सेकेण्डरी स्कूल कन्या गरियाबंद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा 10 प्लाटून कामाण्डरों को भी प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रिखीराम यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर, नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, अनिल चन्द्राकर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि, उप निदेशक उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व वरूण जैन, सीईओ जिला पंचायत प्रखर चन्द्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डहिरे, ऋषा ठाकुर, नागरिकगण एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा गरियाबंद जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों एवं विभिन्न संस्थानों में शांतिपूर्ण तरीके से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

फौजी भाइयों के लिए प्रेम और सम्मान का संदेश भेजा गया

रायपुर। कोरिया जिले की बहनों की ओर से देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात फौजी भाइयों के लिए प्रेम और सम्मान का संदेश भेजा गया है। कलेक्टर रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिले से साढ़े 4 हजार राखियां फौजी भाइयों के लिए प्रेषित की गई हैं। इन राखियों को अंबिकापुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान फौजी भाइयों को समर्पित किया जाएगा। राखियों के माध्यम से जिले की बहनों ने देश की रक्षा में समर्पित सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता और भाईचारे की भावना व्यक्त की है। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कहा कि सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित करते हैं। उनके प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करना हम सभी का दायित्व है। राखी का यह धागा केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और सैनिकों के प्रति पूरे समाज के विश्वास, सम्मान और अपनत्व का प्रतीक भी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से तैयार इन राखियों के जरिए कोरिया जिले की बहनों ने अपने फौजी भाइयों को संदेश दिया है कि वे भले ही परिवार से दूर सीमा पर तैनात हों, लेकिन देशवासियों का स्नेह और आशीर्वाद हमेशा उनके साथ है।

07 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने ग्राम बुचीहरदी के पास घेराबंदी कर 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बलौदा पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ग्राम बुचीहरदी के पास घेराबंदी की गई। इस दौरान रोहित पाटले (40 वर्ष), निवासी बुचीहरदी, थाना बलौदा को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 07 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 1,400 रुपये है, बरामद की। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। कार्रवाई में इनकी रही सराहनीय भूमिका: निरीक्षक मनोहर सिन्हा, प्रशिक्षु उप निरीक्षक ओमकार वर्मा, प्रधान आरक्षक छोटेलाल साहू, आरक्षक रज्जू रात्रे, टिकेश्वर राठौर, संतोष रात्रे, संदीप सोनंत, अनिल कुर्रे तथा महिला आरक्षक रूखमणी निर्मलकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराएं नहीं, तुरंत 1930 पर करें शिकायत

रायपुर। ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल शिकायत करने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि पीड़ित डरें या संकोच न करें, क्योंकि समय पर की गई शिकायत से ठगी की रकम को होल्ड या ब्लॉक कराने में मदद मिल सकती है। पुलिस ने साइबर ठगी की स्थिति में नागरिकों को चार आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी है। सबसे पहले घटना की जानकारी मिलते ही बिना समय गंवाए शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू करें। इसके साथ ही ट्रांजैक्शन आईडी, स्क्रीनशॉट, कॉल रिकॉर्डिंग, मैसेज और बैंक से संबंधित दस्तावेज जैसे सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखें। वित्तीय धोखाधड़ी होने पर पीड़ित को तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए। शुरुआती समय में शिकायत मिलने पर संबंधित वित्तीय लेनदेन को होल्ड या ब्लॉक कराने की कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा पीड़ित नजदीकी थाने या साइबर सेल बलौदाबाजार-भाटापारा में उपस्थित होकर लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। ऑनलाइन शिकायत के लिए पोर्टल का भी उपयोग किया जा सकता है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर अपराध की जानकारी छिपाने के बजाय तत्काल पुलिस और संबंधित हेल्पलाइन को दें। पुलिस के मुताबिक, समय पर की गई शिकायत साइबर अपराधियों तक पहुंचने और ठगी की रकम को सुरक्षित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

50 से अधिक चाकूबाज और नशे के कारोबार से जुड़े अपराधियों के ठिकानों पर पुलिस की विशेष रेड

रायपुर। जिले में चाकूबाजी और नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए बिलासपुर पुलिस ने आद्यतन अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 50 से अधिक आद्यतन चाकूबाज, नशे के कारोबार से जुड़े व्यक्तियों और अन्य अपराधियों के संभावित ठिकानों पर रेड एवं सघन चेकिंग की। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने संबंधित व्यक्तियों के निवास और संभावित ठिकानों पर पहुंचकर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली।

केशकाल घाटी से हुआ बस्तर की खूबसूरती का सफर

बस्तर की खूबसूरती ने देशभर से आए पर्यटन को किया मंत्रमुग्ध

- चित्रकोट जलप्रपात की भव्यता, जनजातीय संस्कृति और धुड़मारास के रोमांचक अनुभव से रूबरू हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 पर्यटन प्रतिनिधि

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ पर्यटन को देश के पर्यटन बाजार में व्यापक पहचान दिलाने और राज्य की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत से देशभर के पर्यटन प्रतिनिधियों को परिचित कराने के उद्देश्य से 10 से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित फैम टूर का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 48 पर्यटन प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें दक्षिण छत्तीसगढ़ अर्थात बस्तर क्षेत्र के भ्रमण में 30 प्रतिनिधि शामिल हुए। पांच दिवसीय भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, स्थानीय परंपराओं, साहसिक पर्यटन और आत्मीय आतिथ्य का करीब से अनुभव किया। प्रतिनिधियों ने बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध केशकाल घाटी से बस्तर में प्रवेश किया। घने जंगलों, घुमावदार पहाड़ी मार्गों और चारों ओर फैली हरियाली के बीच से गुजरते हुए प्रतिनिधियों ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव किया। केशकाल घाटी ने उन्हें बस्तर के उस प्राकृतिक संसार की झलक दी, जहां जंगल, पहाड़ और घाटियां मिलकर अद्भुत पर्यटन अनुभव रचते हैं। प्रतिनिधियों ने विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। इंद्रावती

नदी पर निर्मित यह भव्य जलप्रपात अपने विस्तृत जलप्रवाह और प्राकृतिक परिवेश के कारण प्रतिनिधियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। चित्रकोट की विशाल जलधारा और आसपास का मनोहारी प्राकृतिक दृश्य देखकर प्रतिनिधियों ने इसे अविस्मरणीय पर्यटन अनुभव बताया। चित्रकोट जलप्रपात का अनुभव साझा करते हुए प्रतिनिधियों ने इसकी प्राकृतिक सुंदरता की विशेष सराहना की। उन्होंने चित्रकोट के वातावरण को घूमने के लिए बेहद आकर्षक बताया और जलप्रपात के मनोहारी दृश्य को कैमरे में कैद करते हुए अपने अनुभव साझा किए।चित्रकोट जलप्रपात को करीब से देखकर प्रतिनिधि इसकी सुंदरता से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि यहां जलप्रपात और आसपास का प्राकृतिक दृश्य अलग-अलग समय में अलग रंग और रूप में दिखाई देता है। सूर्य की रोशनी में पानी की चमक और सफेद झाग जलप्रपात की खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं। उन्होंने कहा कि चित्रकोट प्रकृति की सुंदरता को करीब से महसूस करने का शानदार पर्यटन स्थल है। बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता के साथ प्रतिनिधियों को यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति से भी परिचित कराया गया। इस अवसर पर पारंपरिक गेड़ी नृत्य एवं परब नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों की धुन और कलाकारों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने प्रतिनिधियों को बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति से रूबरू कराया। प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि बस्तर की पहचान केवल उसके जंगलों और जलप्रपातों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की लोककलाएं, परंपराएं, नृत्य, संगीत और जनजातीय जीवनशैली भी पर्यटन की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। प्रतिनिधियों ने कांगेर नदी और घने जंगलों के बीच बसे धुड़मारास गांव का रोमांचक अनुभव लिया। प्रकृति और जनजातीय जीवन के अनूठे मेल के लिए पहचान बना रहा धुड़मारास ग्रामीण पर्यटन की नई संभावनाओं को सामने लाता है।प्रतिनिधियों ने यहां जनजातीय गृह-निवास का अनुभव लिया। स्थानीय समुदाय द्वारा पारंपरिक तरीके से पर्यटकों का स्वागत, मिट्टी और स्थानीय शैली से बने घरों में ठहरने का अनुभव, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद और ग्रामीण जीवन को करीब से समझने का अवसर उनके लिए विशेष आकर्षण रहा। धुड़मारास में प्रतिनिधियों ने स्थानीय हाट बाजार का भी भ्रमण किया। यहां उन्हें स्थानीय उत्पादों, वन उपज, बांस से बने सामान, हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्तुओं को देखने और समझने का अवसर मिला।

तीन थाना क्षेत्रों में दबिश देकर 17जुआरी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

जिले में जुआ-सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफधमतरी पुलिस ने एक साथ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत कुरूद, मगरलोड और सिहावा थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल 17 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। थाना कुरूद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामसागर तालाब के पास बड़ी रकम का जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी और रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 93,200 रुपये नकद, 5 मोटरसाइकिल, 7 मोबाइल फोन और 52 पत्ती ताश बरामद की। जब्त संपत्ति की कुल कीमत 5,64,400 रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में प्रीतम चंद्राकर, दीनू बैस, रवेंद्र कुमार सारथी, भावेश कुमार साहू, प्रकाश साहू, देवाशीष माणिकपुरी और खिलेन्द्र साहू शामिल हैं। मामले में थाना कुरूद अपराध क्रमांक 256/2026 के तहत धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम में अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। थाना मगरलोड पुलिस ने ग्राम मोहंदी अटल चौक के पास जुआ खेल रहे चार आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा। मौके से 3,200 रुपये नकद और 52 पत्ती ताश जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में अलाउद्दीन खान, हरिचंद खुंटे, कुलदीप रात्रे और नरेश निषाद शामिल हैं। सभी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई। थाना सिहावा पुलिस ने ग्राम भेजरी रावण में सार्वजनिक स्थान पर स्ट्रीट लाइट के नीचे ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 3,700 रुपये नकद और 52 पत्ती ताश बरामद की।

40 फीट गहरे कुएं में मिला नाबालिग का शव, जुए से कनेक्शन पर पुलिस ने किया इनकार

रायपुर। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़के का शव करीब 40 फीट गहरे कुएं से मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान धनेश ध्रुव, निवासी कुरूद के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, धनेश का शव कुरूद स्थित एक राइस मिल के पास बने कुएं से बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कुछ नाबालिग लड़के जुआ खेल रहे थे और पुलिस को आता देख वहां से भागने लगे। इसी दौरान अफरा-तफरी में धनेश के कुएं में गिरने की बात कही जा रही है।

ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4 के तहत

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सैनिक भाइयों के लिए भेजे रक्षा सूत्र

- सरगुजा से सैनिकों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ की बहनों का स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से संचालित 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा की महिलाओं एवं स्काउट-गाइड द्वारा एकत्रित रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए रवाना किए। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि यह लगातार चौथा वर्ष है, जब छत्तीसगढ़ की बहनों की ओर से देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं। यह अभियान प्रदेश की महिलाओं के सैनिक भाइयों के प्रति स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जब पूरा देश अपने परिवार के साथ खुशियां मनाता है, तब हमारे सैनिक भाई अपने परिवार से दूर रहकर देश की सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं। उनके त्याग और समर्पण को नमन करते हुए बहनों की ओर से भेजा गया यह रक्षा सूत्र प्रेम, सम्मान और आशीर्वाद का संदेश लेकर जवानों तक पहुंचेगा। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि सैनिकों और देशवासियों के बीच भावनात्मक संबंध का प्रतीक है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की माताएं और बहनें देश के वीर जवानों को यह संदेश दे रही हैं कि पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है।

निगम का बकाया अदा नहीं करने पर बड़े बकायेदारो पर कार्रवाई तेज

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा के आदेशानुसार एवं अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू एवं उपायुक्त राजस्व डॉ अंजलि शर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम के बड़े बकायेदारो पर बकाया नगर निगम को अदा ना करने पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। इस कार्रवाई के अंतर्गत आज नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं जोन सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा, राजस्व निरीक्षक पवन सिंह, सहायक राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र गेंदरे, माधव अवधिया, लीलेश देवांगन, तपेश कश्यप, रवि मिश्रा की उपस्थिति में जोन 2 राजस्व विभाग द्वारा बकाया राजस्व वसूली अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत जोन क्षेत्र में इंदिरा गांधी वार्ड कमांक 27 अंतर्गत बकायादार प्रहलाद राय पंजवानी के वर्ष 2015-16 से 2016-17 तक के बकाये में 10935 रूपए का पार्ट पेमेंट किया गया। वहीं देविका होटल अलका देवी द्वारा लिखित मे सम्पति कर भुगतान हेतु समय माँगा गया। काबिज पुष्प भंडार सतीश जिंदल बकाया राशि 176196 रूपए द्वारा दिनांक 17 अगस्त 2026 सोमवार तक बकाया भुगतान करने लिखित में समय मांगा गया। मो. अब्दुल अजीम, अब्दुल करीम, मो. गुलाम, अशफाक, मो. बसीम बकाया राशि 242308 रूपए द्वारा सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सम्पूर्ण बकाया तत्काल भुगतान किया गया। हरप्रसाद, देवप्रसाद, द्वारिका प्रसाद दीक्षित बकाया राशि 220632 रूपए द्वारा सीलिंग कार्रवाई के दौरान भुगतान तत्काल कर दिया गया। इसी प्रकार आज नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में जोन 6 जोन राजस्व विभाग द्वारा जोन सहायक राजस्व अधिकारी स्वाती शुक्ला एवं अन्य संबंधित राजस्व विभाग कर्मचारियों की उपस्थिति में अभियान चलाकर जोन 6 अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद वार्ड कमांक 60 क्षेत्र अंतर्गत 3 भिन्न स्थानों पर संपत्तिकरदाताओं द्वारा बकाया संपत्तिकर की अदायगी नगर निगम जोन 6 राजस्व विभाग को नहीं किये जाने पर संबंधित 3 बकायादारो की संपत्तियों को स्थल पर तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कार्यवाही की गई।

6 साल से सामाजिक बहिष्कार झेल रहे परिवार को फिर समाज में कराया शामिल

रायपुर। डोंगरगढ़ पुलिस और प्रशासन ने सामाजिक सद्भाव एवं आपसी भाईचारा कायम रखने की दिशा में सराहनीय मानवीय पहल करते हुए ग्राम छिपा में करीब छह वर्षों से सामाजिक बहिष्कार झेल रहे गोपीराम वर्मा और उनके परिवार को पुनः समाज की मुख्यधारा में शामिल कराया। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने संबंधित पक्षों एवं समाज के लोगों से बातचीत कर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कराया। तहसीलदार चिराग रामटेके के साथ थाना प्रभारी एवं प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ग्राम छिपा पहुंची और दोनों पक्षों से चर्चा की। पुलिस और प्रशासन की समझाइश तथा मध्यस्थता के बाद संबंधित पक्षों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों और विवाद का समाधान किया गया। इसके बाद गोपीराम वर्मा एवं उनके परिवार को पुनः समाज में शामिल कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों और समाज के लोगों को आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता और सद्भाव बनाए रखने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद होने पर आपसी बातचीत और प्रशासन के सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से उसका समाधान किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंत्री राजेश ने दिए निर्देश

- लखनपुर के ग्राम कटकोना में क्षेत्रवासियों से किया सीधा संवाद, खदान से जुड़े विषय पर ग्रामीणों को दिया भरोसा

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटकोना पहुंचकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे विभिन्न विषयों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री श्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान उनकी बातों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली और समस्याओं के निराकरण के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामवासियों ने खदान से संबंधित विभिन्न विषय भी मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के संज्ञान में लाए। ग्रामीणों की चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए मंत्री ने कहा कि इस विषय में ग्रामवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पूरे मामले का यथोचित परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। विकास के साथ स्थानीय लोगों के हितों, सुविधाओं और अधिकारों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामवासियों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करना सरकार की प्राथमिकता है। ग्राम कटकोना में मंत्री श्री अग्रवाल के साथ हुए संवाद के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न स्थानीय विषयों और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। मंत्री ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए ।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

देश की आजादी में छत्तीसगढ़ के वीर नायकों का योगदान नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व.....

- मुख्यमंत्री ने कहा - अपनी विरासत को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, अमर सेनानियों के शौर्य एवं बलिदान, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और राज्य में सुशासन एवं विकास की उपलब्धियों को समेटे यह प्रदर्शनी अतीत के गौरव से वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं तक छत्तीसगढ़ की यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदर्शनी के विभिन्न खंडों का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित दुर्लभ छायाचित्रों, दस्तावेजों एवं सूचनात्मक सामग्री में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए छत्तीसगढ़ की धरती के अनेक वीर सपूतों ने संघर्ष और बलिदान किया। उनके योगदान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। ऐसी प्रदर्शनियां युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के साथ उनमें राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल इतिहास का स्मरण नहीं कराती, बल्कि विरासत से प्रेरणा लेकर विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को भी सुदृढ़ करती है। एक ओर इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की अमर गाथाएं हैं, तो दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन, आधुनिक अधोसंरचना और नई तकनीक के माध्यम से बदलते छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी दिखाई गई है। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर केंद्रित खंड है। इसमें 'वंदे मातरम्' की रचना से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन में इसके

संपादकीय

बंगाल में चुनावी नतीजों के बाद क्यों नहीं थम रही राजनीतिक हिंसा?

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद भड़कती राजनीतिक हिंसा और नेताओं के काफिलों पर होते हमलों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता से अराजकता बेलगाम हो रही है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव और उसके नतीजे आने के बाद से ही आए दिन किसी बात पर हिंसा और अराजकता की जैसी स्थिति बनी हुई है, उसमें ऐसा लगता है कि सरकार और पुलिस मूकदर्शक की भूमिका में हैं और जो हो रहा है, उसे होने दिया जा रहा है।अन्यथा क्या कारण है कि किसी भी राजनीतिक पक्ष के कार्यकर्ता या फिर उनका समर्थन करने वाले लोग बिना किसी बड़ी वजह के अचानक ही आक्रामक या अराजक हो जाते हैं और पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने का इंतजाम करने के बजाय उदासीन दिखती है।राज्य में 24 परगना जिले के हलिशहर में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ जो हुआ, वह न केवल कानून व्यवस्था पर एक गहरा सवाल है, बल्कि इससे यह भी पता चलता है कि बदले की भावना जब राजनीति में जगह पाती है, तो किस तरह एक अफसोसनाक हिंसा की संस्कृति का विस्तार होता है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ममता बनर्जी उसके परिजनों से मिलने जा रही थीं। इस बीच उनकी गाड़ी पर हमला किया गया, कीचड़ और पत्थर फेंके गए, आक्रामक और अवांछित नारे लगाए गए। अफसोसनाक यह था कि वहां मौजूद पुलिस ने यह सब रोकने के लिए जरूरी सक्रियता नहीं दिखाई।हैरानी की बात यह है कि वहां की स्थिति एक तरह से बेलगाम हो जाने की आशंका के बावजूद पुलिस ने उपद्रवियों की भीड़ को जमा होने से नहीं रोका। यह बेवजह नहीं है कि इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने ही उनकी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए।गाड़ी पर किया गया हमला इतना गंभीर था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो उनका सिर फट जाता।सवाल है कि राज्य में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी एक महिला नेता को जब इस स्तर की अराजकता का सामना कर पड़ रहा है, तो राज्य में कानून व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर क्या होगी ! हालांकि यह पहली बार नहीं है जब राज्य में असंतोष और नाराजगी के नाम पर चुनावों के बाद इस तरह की बेलगाम प्रतिक्रिया देखी गई हो।ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब विधानसभा चुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस की हार हुई थी और भाजपा की सरकार बनी। उसके बाद राज्य के अलग-अलग इलाकों में अनेक जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं या समर्थकों पर हमले की घटना सामने आई। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे कद्दावर नेताओं पर घातक हमले किए गए।इसी तरह एक घटना में तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर भी अंडे फेंके गए। विचित्र यह है कि सत्ता में होने के नाते जहां भाजपा सरकार को ऐसी घटनाओं पर शर्मिंदा होना चाहिए, वहां इस पर अफसोसनाक प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

(ललित गर्ग)

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया। भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा। भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे। विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं।

जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है। नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन-जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी-जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकारा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संसद में बौद्धिकता क्यों हुई कमजोर, क्या किताबें फिर जगा सकती हैं लोकतंत्र की चेतना?

(राकेश सिन्हा)

जनतंत्र सिर्फ शासन व्यवस्था नहीं है। यह मानव मूल्यों की उच्चतम अभिव्यक्ति है, जिसमें उसका विवेक, बुद्धि, ज्ञान, चेतना और समर्पण पांचों बातें सम्मिलित रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में सांसदों को दो घंटे पुस्तकालय में व्यतीत करने की सलाह दी है। संभवतः संसदीय भाषणों की उल्लेखनीयता और गंभीरता का समाप्त हो जाना उनकी चिंता का कारण रहा होगा। मोदी ने भले ही सांसदों को सुझाव दिया है, लेकिन यह सभी जनतांत्रिक देशों के लिए संसदीय मूल्यों के क्षरण के दौर में संजीवनी की तरह है।

संसद में हो-हल्ला और अमर्यादित भाषा का उपयोग आम बात हो गई है। अल्बानिया, यूक्रेन, सर्बिया और जॉर्जिया की संसद में तो हाथापाई भी होने लगी है। ऐसी बातें जनतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अनास्था पैदा करने के लिए यथेष्ट हैं। वे दिनों-दिन अपनी सामाजिक स्वीकृति और सम्मान दोनों खो रहे हैं।

ब्रिटेन में हुए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि मात्र नौ फीसद लोग अब देश के सांसदों पर भरोसा करते हैं। ब्रिटेन संसदीय व्यवस्था का जनक माना जाता है। एक समय था, जब एडमंड बर्क, जेएस मिल, डिजराइली और चर्चिल जैसे लोग वहां की संसद को सुशोभित करते थे। ऐसे लोगों की बौद्धिकता ने ही लोकतंत्र को संवारा है। तीन सौ वर्ष पूर्व बर्क ने 'रिफ्लेक्शन ऑन द रिवॉल्यूशन ऑफ फ्रांस' की रचना की थी, जो आज भी प्रासंगिक है। व्यस्तता के बावजूद चर्चिल ने छह खंडों में द्वितीय विश्वयुद्ध का इतिहास लिखा।

ऐतिहासिक रूप में भारत तो उससे दो कदम आगे है। यह जनतंत्र का जनक है। यूरोप में तो एक पेरिक्लिस चौबीस सौ साल पहले हुआ था, जो जन सरोकारों एवं बौद्धिकता से संपन्न एथेंस का राजा था। मगर भारत में तो इसकी लंबी सूची है। केपी जायसवाल की पुस्तक 'हिंदू पॉलिटी' (1924) लोकतांत्रिक समृद्धि के तथ्यों से भरी पड़ी है।यह और बात है कि उसे प्राध्यापक ही नहीं पढ़ रहे हैं, तो राजनीतिज्ञों से क्या उम्मीद की जा सकती है। हमारी सभ्यता की विशिष्टता विचारों की विविधता है। इसी ने शास्त्रार्थ को जन्म दिया। यह हमारी प्राणवायु की तरह है। इसलिए विमर्श की संस्कृति में गिरावट और बौद्धिकता के प्रति बढ़ती अरुचि सिर्फ संसदीय जनतंत्र ही नहीं, बल्कि सभ्यताई संकट का कारण बन सकता है।संविधान सभा की चर्चा उत्कृष्ट और सजीव बौद्धिकता का उदाहरण है। उसके प्रत्येक सदस्य का भाषण समाज विज्ञान के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनने की गुणसंपन्नता से भरा है। बौद्धिकता जब समाज-सभ्यता सापेक्ष और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर होती है, तब वह सजीव बन जाती है। मगर ज्ञान और अनुभवों का जब सिर्फ तात्कालिक स्वार्थ के लिए उपयोग किया जाता है, तब यह निर्जीव बौद्धिकता का रूप ले लेता है। समकालीन संसदीय चर्चा में निर्जीव बौद्धिकता की प्रचुरता देखी जा सकती है।

सजीव बौद्धिकता में निष्पक्षता और निर्भयता दोनों होते हैं। इसका एक अच्छा उदाहरण है- संविधान सभा में गांधीवादी सिब्बलाल सक्सेना ने जब महात्मा गांधी का नाम संविधान की प्रस्तावना में जोड़ने के लिए संशोधन दिया, तो उसका विरोध दूसरे गांधीवादी ब्रजेश्वर प्रसाद और आचार्य कृपलानी ने किया। दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क थे। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा, 'प्रस्तावना में न गांधी होंगे, न ही ईश्वर।'

भारतीय संसद उस श्रेष्ठता को आरंभ के कुछ वर्षों तक प्रदर्शित करती रही। इसका उदाहरण 1957 में केरल की चुनी हुई कम्युनिस्ट सरकार की बर्खास्तगी पर संसदीय चर्चा है। इस उत्तेजक घटना पर भी चर्चा के दौरान न व्यवधान हुआ, न ही अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल। तथ्यों और तर्कों के उपयोग में सांसद अकादमिक जगत को पीछे छोड़ देते थे।

उस समय संसद के पुस्तकालय में जगह कम पड़ जाती थी। तब केएम मुंशी केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने तीन दर्जन पुस्तकें लिखीं। 'जय सोमनाथ' उनकी प्रसिद्ध कृति है। संपूर्णानंद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने दर्जनों पुस्तकों की रचना की। इनमें 'आधूरी क्रांति' और 'ऋग्वेद प्रतिसाख्यम' प्रसिद्ध हैं। ऐसी प्रतिभाएं सभी दलों में थीं।

सोशलिस्ट सांसद एनजी गोरे ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन चरित का मराठी अनुवाद किया था। राम मनोहर लोहिया की 'वील्स ऑफ हिस्ट्री' उनकी अनेक पुस्तकों में से एक थी। कम्युनिस्ट हीरेन मुखर्जी ने 1952 से 1977 तक के संसदीय विकास पर 'पोर्टेट ऑफ पार्लियामेंट' पुस्तक लिखी, तो जनसंघ के बलराज मधोक का 'भारतीयकरण' कालजयी रचना है।

कर्ण सिंह की पुस्तक 'डांस ऑफ पीकॉक' अंग्रेजी भाषा की श्रेष्ठ रचनाओं में से एक है। साठ के दशक में त्रिगुणा सेन, एमसी छागला, भूपेश गुप्ता, दत्तोपंत ठेंगड़ी और जगन्नाथ राव जोशी के भाषणों में भारत का भविष्य रचता-बसता था। 1958-63 तक शिक्षा मंत्री रहे केएल श्रीमाली की पुस्तक 'शिक्षा और भारतीय लोकतंत्र' की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

लोकतंत्र के मंदिर के वे ऐसे पुजारी थे, जो भौतिकता पर बौद्धिकता को महत्व देते थे। लोग उनकी तस्वीरों को स्कूल-कॉलेजों एवं घरों में सम्मान से लगाते थे। उसमें ठहराव क्यों आया, यह विचारणीय है।

सांस के साथ शरीर में जा रहे हजारों प्लास्टिक कण, माइक्रोप्लास्टिक पर क्यों बढ़ी चिंता?

(अखिलेश आर्येंदु)

वैज्ञानिकों का मानना है माइक्रोप्लास्टिक हमारी कुल क्षमता पर भी असर डाल रहा है। गौरतलब है माइक्रोप्लास्टिक एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक में खासतौर से पाया जाता है। इसके इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगनी चाहिए, क्योंकि केवल एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक से महज हवा ही प्रदूषित नहीं हो रही, बल्कि मिट्टी और पानी भी प्रदूषित हो रहा है। माइक्रोप्लास्टिक से जलीय जीव-जंतुओं और पक्षियों पर भी असर हुआ है। इससे कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए। जीव-जंतुओं में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं और उनकी उम्र में भी कमी देखी जा रही है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि माइक्रोप्लास्टिक के इसके सूक्ष्म कण फेफड़ों, मस्तिष्क, हृदय और प्रजनन क्षमता पर गंभीर असर डाल सकते हैं। जानिए माइक्रोप्लास्टिक क्या है, यह शरीर में कैसे पहुंचता है और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है।

आधुनिक विकास का पहिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कई ऐसी समस्याएं पैदा हो रही हैं, जिनका निकट भविष्य में कोई समाधान नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसी ही एक विकट समस्या है माइक्रोप्लास्टिक (प्लास्टिक के सूक्ष्म कण) की। यह हवा, ओस और बारिश के जरिए मनुष्य सहित तमाम जीव-जंतुओं की सेहत तथा जैव विविधता पर गहरा असर डाल रहा है। यह प्लास्टिक हमें दिखता नहीं है, लेकिन हमारे ऊपर लगातार वार कर रहा है। इस पर अमेरिका में हुआ शोध एक विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक, दुनिया की साफ मानी जानी वाली जगह 'दक्षिण नेशनल पार्क' की हवा में भी प्लास्टिक के महीन कण पाए गए हैं। इस इलाके में न तो वाहनों की भीड़भाड़ है और न ही यहां उद्योग हैं, इसके बावजूद यहां प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों की बरसात होती रही है। इससे सैकड़ों टन प्लास्टिक के कण धरती पर बिछ चुके हैं। दूसरी तरफ यूनिवर्सिटी आफ आकलैंड (न्यूजीलैंड) के वैज्ञानिकों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक सामान से पालिकार्बोनेट निकलता है, जो एक तरह का प्लास्टिक ही है। इससे भी मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

वैज्ञानिकों ने माइक्रोप्लास्टिक के असर पर शोध के दौरान पाया कि हम रोज प्लास्टिक के लगभग सात हजार सूक्ष्मकण अपनी सांस के जरिए लेते हैं। अध्ययन के मुताबिक, इससे वैसा ही असर होता है जैसा तंबाकू खाना या सिगरेट पीना। यह एक गंभीर स्थिति है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे लोगों की सेहत पर ही असर नहीं हो रहा, बल्कि महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर भी यह नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

वैज्ञानिकों का मानना है माइक्रोप्लास्टिक हमारी कुल क्षमता पर भी असर डाल रहा है। गौरतलब है माइक्रोप्लास्टिक एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक में खासतौर से पाया जाता है। इसके इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगनी चाहिए, क्योंकि केवल एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक से महज हवा ही प्रदूषित नहीं हो रही, बल्कि मिट्टी और पानी भी प्रदूषित हो रहा है। माइक्रोप्लास्टिक से जलीय जीव-जंतुओं और पक्षियों पर भी असर हुआ है। इससे कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए। जीव-जंतुओं में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं और उनकी उम्र में भी कमी देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त समुद्र, नदियों और झीलों का जल कई तरह के प्रदूषण से ग्रस्त हो गया है। कस्बों और गांवों के कुओं तथा नहरों का जल भी प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक के कारण प्रदूषित हो गया है। इससे ग्रामीण और कस्बाई लोग कई प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक नदियों और समुद्र तटों पर अरबों टन प्लास्टिक कचरा मौजूद है। हालांकि इस कचरे का पुनर्चक्रण करने का कार्य दुनिया की कुछ कंपनियां कर रही हैं।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों ने एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के लिए राज्य स्तरीय नियम बना कर इसे प्रतिबंधित करने का कार्य किया, वहीं अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी 2025 तक पैकेजिंग में सौ फीसद पुनर्चक्रित उत्पाद का उपयोग करने की घोषणा की थी, लेकिन अभी इस दिशा में कितना काम हुआ है, बता पाना मुश्किल है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित देश के अनेक राज्यों में प्लास्टिक कचरे पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, लेकिन व्यावहारिक रूप से एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का चलन अब भी जारी है। यदि एक बार इस्तेमाल वाले प्लास्टिक को चलन से बाहर नहीं किया गया, तो माइक्रोप्लास्टिक से मानव सभ्यता का जो नुकसान होगा, वह हमारी कल्पना से भी अधिक हो सकता है।वैज्ञानिकों के अनुसार साधारण प्लास्टिक को सड़ने में भी लगभग पांच सौ वर्ष लग जाते हैं। मगर सहजता से उपलब्ध होने के कारण इसके जहरीलेपन को नजरअंदाज कर कर दिया जाता है। दुनिया में इसका महज पांच में से एक हिस्से का ही पुनर्चक्रण हो पाता है। इस तरह इसका 80 फीसद हिस्सा समुद्र में जा रहा है। इसमें माइक्रोप्लास्टिक का हिस्सा सबसे ज्यादा होता है। समुद्री पक्षी प्लास्टिक के कारण असमय मौत का शिकार बन रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर वर्ष करीब एक लाख समुद्री जीव मर जाते हैं। कई जीव-जंतु और पक्षी तो विलुप्त हो गए। इसके अतिरिक्त समुद्र, नदियों और झीलों का जल भी प्रदूषण का शिकार हो गया। कस्बों और गांवों के कुओं और नहरों का जल भी प्लास्टिक के कारण प्रदूषित हो गया है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक सत्तर के दशक के बाद प्लास्टिक का उपयोग शहरी, ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बढ़ता गया। अब यह कई बीमारियों का कारण बन गया है। अब तो प्लास्टिक के बगैर काम नहीं चलता। जाहिर है, इसके असर से बचना नामुमकिन है।

उपयोग में आने वाले प्लास्टिक को जलाने से कई तरह की जहरीली गैसें पैदा होती हैं, जिनमें नाइट्रिक आक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड प्रमुख हैं। इन गैसों से फेफड़ों और आंखों की बीमारियां, कैंसर, मोटापा, मधुमेह, थायराइड, पेट और सिर दर्द तथा कब्ज जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। नए शोध के अनुसार, प्लास्टिक से बने बर्तनों के उपयोग से इसमें मौजूद नुकसानदेह रसायन खाद्य पदार्थों में घुलकर हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं, जिससे पेट, सिर, फेफड़े और आंख से संबंधित समस्याएं पैदा हो जाती हैं। महिलाओं में प्लास्टिक के अधिक उपयोग के कारण बांझपन आ सकता है। नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे उगी वनस्पतियों और पेड़ों पर इसका असर अधिक देखा गया है।

माइक्रोप्लास्टिक पर दुनियाभर में लगातार शोध जारी हैं। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के मुताबिक इंसानी शरीर खासकर मस्तिष्क पर माइक्रोप्लास्टिक का असर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इससे मस्तिष्क की मूल संरचना में बदलाव आ रहा है। दिल का दौरा और मस्तिष्क आघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जांच के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने के प्रमाण मिले। गौरतलब है कि प्लास्टिक प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। शोध बताता है कि यह कैंसर और मनोभ्रंश का बहुत बड़ा कारण बन रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण जिस तरह गहरा होता जा रहा है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पिछले पांच दशकों में प्लास्टिक प्रदूषण मानव सभ्यता के लिए खतरनाक बनता चला गया है। पहाड़ों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक, धरती का कोई भी कोना शायद ही बचा हो जहां प्लास्टिक न पहुंचा हो। मनोभ्रंश से प्रभावित लोगों के मस्तिष्क में छह गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक मिलना चिंता की बात कही जा रही है। ऐसे मरीजों के मस्तिष्क में सामान्य लोगों की तुलना में छह गुना माइक्रोप्लास्टिक अधिक पाया गया है।

माइक्रोप्लास्टिक के खतरे और दुष्परिणामों से क्या मनुष्यों को बचाया जा सकता है? क्या इसके बढ़ते असर को रोक पाना संभव होगा? लोगों को इससे बचाने के लिए ऐसे क्या कदम उठाए जा रहे हैं और हर व्यक्ति किस तरह माइक्रोप्लास्टिक के असर से बच सकता है? इन मसलों पर भी लगातार शोध किए जाने चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में माइक्रोप्लास्टिक से बचने-बचाने के बेहतर तरीके खोजे जा सकेंगे।

बस्तर के नक्सल मुक्त होने के बाद पहला स्वतंत्रता दिवस पुनर्वास केंद्र में पूर्व नक्सलियों ने शान से फहराया तिरंगा

भानुप्रतापपुर। बंदूक का खौफ, जंगलों में बंद की पुकार और स्वतंत्रता दिवस पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के विरोध में लहराते काले झंडे–बस्तर की वादियों में दशकों तक यह खौफनाक मंज़र आम हुआ करता था। लेकिन 80वें स्वतंत्रता दिवस पर एक नया इतिहास रचा गया। केंद्र सरकार द्वारा बस्तर को नक्सल मुक्त करने के लिए तय की गई 31 मार्च 2026 की समय-सीमा के बाद इस पूरे अंचल में यह पहला स्वतंत्रता दिवस था, जहाँ डर की जगह राष्ट्रीय स्वाभिमान और उत्सव की उमंग साफ़ दिखाई दी। इस ऐतिहासिक बदलाव की सबसे खूबसूरत तस्वीर मुल्ला स्थित पुनर्वास केंद्र से सामने आई। यहाँ आयोजित मुख्य समारोह में कभी बंदूक उठाकर व्यवस्था को चुनौती देने वाले पूर्व नक्सलियों ने पूरे गर्व और सम्मान के साथ राष्ट्रध्वज फहराया और तिरंगे को सलामी दी। मुल्ला पुनर्वास केंद्र में आयोजित समारोह में कैंप प्रभारी मनीष नागर ने विधि विधान पूजा अर्चना कर ध्वजारोहण किया। राष्ट्रध्वज के फहरते ही पूरा केंद्र परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। इसके बाद सभी उपस्थित आत्मसमर्पित कैडरों, सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों ने एक साथ मिलकर राष्ट्रगान गाया। समारोह के दौरान केंद्र में रह रहे दर्जनों आत्मसमर्पित युवाओं के चेहरों पर हिंसा छोड़ शांति के रास्ते पर लौटने का सुकून साफ़ पढ़ा जा सकता था। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैंप प्रभारी भावुक हो गए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा अज्ञानता और भटकाव के दौर में हम जिस रास्ते पर थे, वहाँ केवल विनाश और भय था। लेकिन अब हम देश की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। आज जब हमने स्वयं अपने हाथों से तिरंगा फहराया है, तो अहसास हुआ कि देश के राष्ट्रध्वज के नीचे शांति, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने से बड़ा दुनिया में कोई दूसरा सुख नहीं है। कार्यक्रम के दौरान पुनर्वास विभाग के अधिकारियों और क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों के जवानों ने पूर्व नक्सलियों को गले लगाकर स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। ध्वजारोहण के बाद पूरे परिसर में मिठाइयां बांटी गईं और खुशी का माहौल रहा। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि सरकार की पुनर्वास नीति और विकास कार्यों के प्रति विश्वास के कारण ही क्षेत्र के भटके हुए युवा मुख्यधारा में लौट रहे हैं। मुल्ला पुनर्वास केंद्र का यह आयोजन इस बात का सशक्त प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, सुरक्षा का अहसास और मुख्यधारा का अपनापन किसी भी इंसान के जीवन का रुख सकारात्मक दिशा में मोड़ सकता है।

एसकेएमएस की 7 किमी फ्रीडम रेस में दौड़ा किरंदुल भिलाई के आशुतोष और रुक्मणी ने मारी बाजी

किरंदुल। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लौह नगरी किरंदुल में एनएमडीसी परियोजना के श्रमिक संगठन एसकेएमएस द्वारा 7 किलोमीटर की भव्य फ्रीडम रेस का आयोजन किया गया। फुटबॉल ग्राउंड से शाम 4 बजे शुरू हुई इस मैराथन में 16 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने दौड़ में अपनी प्रतिभा और जज्बे का प्रदर्शन किया। रेस का शुभारंभ एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण ने हरी झंडी दिखाकर किया। स्वतंत्रता दिवस के उत्साह से सराबोर प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ 7 किलोमीटर की दूरी तय की। पुरुष वर्ग में भिलाई के आशुतोष भिंड ने 23 मिनट 51 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया। चपोरा के मनीष कुमार ने 24 मिनट 40 सेकंड में दूरी पूरी कर द्वितीय स्थान, जबकि कांकेर के भावेश सलाम ने 24 मिनट 57 सेकंड में दौड़ पूरी कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में भी प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। भिलाई की रुक्मणी साहू ने 28 मिनट 58 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोहंडीगुड़ा की प्रमिला मंडावी ने 30 मिनट 14 सेकंड में द्वितीय स्थान तथा कोंडागांव की पार्वती नेताम ने 30 मिनट 38 सेकंड में दौड़ पूरी कर तृतीय स्थान हासिल किया। दोनों वर्गों में रेस पूरी करने वाले प्रथम 10 प्रतिभागियों को एक-एक हजार रुपये का सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया। फ्रीडम रेस में एनएमडीसी कर्मचारियों के लिए अलग से प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें अंकित ने प्रथम, शेख शादाब ने द्वितीय तथा किशन साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 15 हजार रुपये एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पर रहे प्रतिभागी को 10 हजार रुपये एवं ट्रॉफी तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 7,500 रुपये एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए.के. सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष चित्रा स्वामी, परियोजना अस्पताल के सीएमओ डॉ. एम.वी. लाल एवं उपमहाप्रबंधक कार्मिक तनवीर जावेद सहित एसकेएमएस के सचिव राजेश संघु, अध्यक्ष देवरायलु, कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, कार्यालय सचिव नामदेव, सुमित धर एवं अन्य पदाधिकारी, एनएमडीसी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस फ्रीडम रेस ने नगर में देशभक्ति, उत्साह और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

अटल की पुण्यतिथि पर भाजपा मंडल भानुप्रतापपुर ने अर्पित किए श्रद्धा–सुमन

भानुप्रतापपुर। भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, प्रखर वक्ता, कवि हृदय, राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल भानुप्रतापपुर द्वारा सालिहापारा रोड स्थित अटल की प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अटल जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित वक्ताओं ने अटल के राष्ट्र के प्रति समर्पण, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, प्रखर राष्ट्रवाद एवं संगठन के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन और विचार आज भी देश एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे, नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर, मंडल महामंत्री राजीव श्रीवास एवं गिरधारी नरेटी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रजिंदर रंधावा एवं जुगल किशोर शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष सरिता जोशी, पूर्व कार्यालय मंत्री रत्नेश सिंह, नरेश जैन, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गजानंद डड़सेना, जिला आईटी सेल संकेत नशीने, पार्षद राजकुमार यादव एवं गुमान सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। वहीं महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष संगीता टांडिया, महामंत्री शकुन्तला यादव, सीता चंद्राकर, उर्मिला जसूजा एवं सरिता देवांगन, गीता ठाकुर; पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष राकेश देवांगन, मिलन साहू एवं हरि यादव; युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी हिमांशु ठाकुर एवं महामंत्री प्रेम शर्मा; अजा मोर्चा मंडल महामंत्री कौशल रामटेके एवं कनक राजपूत सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

10 नक्सलियों को ढ़ेर करने वाले डीआरजी के 30 जांबाज जवानों को मिला 'वीरता पदक'

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस, असाधारण वीरता और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करने वाले डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड के 30 जवानों को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 22 नवंबर 2024 को सुकमा जिले के थाना भेज्जी अंतर्गत मुनूरकोंडा के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में हुई भीषण मुठभेड़ में प्रदर्शित बहादुरी के लिए दिया गया है। इस मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के सशस्त्र नक्सलियों को कड़ी टक्कर देकर पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। मुठभेड़ स्थल से 10 नक्सलियों के शव बरामद किए गए थे। साथ ही भारी मात्रा में हथियार व सामग्री–जिनमें एके-47, एसएलआर, इंसास, 9 एमएम पिस्टल आदि शामिल हैं–बरामद की गई थी। मुठभेड़ के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना असाधारण नेतृत्व, धैर्य और टीम भावना का परिचय देने पर छत्तीसगढ़ शासन एवं पुलिस मुख्यालय की अनुशंसा पर इन जवानों को पदक प्रदान किया गया है। सम्मानित हुए 30 जवानों में सोढ़ी अजय (प्र.आर. बल क्रमांक 419), सोढ़ी रामा (प्र.आर. बल क्रमांक 973), सेमल रमेश (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2321), कुहराम रामबाबू (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2159), मड़वी कोसा (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2353), पंडा रोहित (आर. बल क्रमांक 1515), वेट्टी छोटेलाल (आर. बल क्रमांक 1656), सोयम जोगा (आर. बल क्रमांक 1617), करतम लिंगा (नव आर. बल क्रमांक 1454), जयसिंह नाग (नव आर. - बल क्रमांक 1277), राजेंद्र नाग (आर. बल क्रमांक 204), रामधर कश्यप (आर. बल क्रमांक 456), मड़वी गंगा (आर. बल क्रमांक 478), नुरूम दुल्ला (आर. बल क्रमांक 1088), कड़ती रामा (आर. बल क्रमांक 251), मौसम चंद्रा (आर. बल क्रमांक 1121), मड़कम गंगा (आर. बल क्रमांक 399), बोड्डी लक्ष्मैया (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2311), सोढ़ी नरेश (आर. बल क्रमांक 1677), मुचाकी देवा (नव आर. बल क्रमांक 493), मड़वी मुकेश (आर. बल क्रमांक 397), मड़कम भीमा (आर. बल क्रमांक 759), कुंजाम पोदिया (आर. बल क्रमांक 993), वेट्टी देवा (आर. बल क्रमांक 240), कट्टम मुत्ता (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2264), सोयम राजू (आर. बल क्रमांक 1506), सोयम लच्छा (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2166), माड़वी रमेश (डी.एस.एफ.आर. बल क्रमांक 2116), सरियम रमेश (नव आर. बल क्रमांक 341), मड़वी कन्ना (आर. बल क्रमांक 1576), वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जवानों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, अनुशासन और व्यावसायिक कुशलता ने न केवल पूरी टीम की रक्षा की, बल्कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों को भी एक नई दिशा दी है।

यह सम्मान बल के अन्य जवानों के लिए भी बड़ा प्रेरणास्रोत बनेगा।

शहीद परिवारों के साथ सहभोज में दिखी सुकमा एसपी की आत्मीयता

सुकमा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुकमा पुलिस ने शहीद परिवारों के सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ शहीद परिवारों के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में एसपी मयंक गुर्जर ने शहीद परिवारों के सदस्यों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परिवारों के साथ बैठकर भोजन किया और उन्हें यह भरोसा दिलाया कि सुकमा पुलिस उनके सुख-दुःख में हमेशा साथ खड़ी है। सहभोज के दौरान उस समय भावुक दृश्य देखने को मिला, जब एसपी मयंक गुर्जर ने शहीद परिवार की एक अम्मा को अपने हाथों से भोजन खिलाया और स्वयं भी उनके हाथों से भोजन ग्रहण किया। एसपी की इस आत्मीयता ने शहीद परिवारों के साथ पुलिस के पारिवारिक जुड़ाव और संवेदनशीलता को जाहिर किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की, एसडीओपी सहित पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एसपी मयंक गुर्जर ने कहा कि शहीद परिवार सुकमा पुलिस परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। उनके सम्मान, सहयोग और हर सुख-दुःख में साथ खड़ा रहना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। शहीद परिवारों ने भी सुकमा पुलिस की ओर से आयोजित इस आत्मीय पहल के लिए आभार जताया।

बीटीओए कार्यालय में मनाया गया 80वें स्वतंत्रता दिवस

किरन्दुल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बैलाडिला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन संस्था किरन्दुल में अध्यक्ष मनोज सिंह,सचिव आकाश गोयल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया ।तत्पश्चात राष्ट्रगान गाकर तिरंगा को सलामी दी गई एवं उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देकर मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर बीटीओए के सुरेंद्र नायर,अमरीक सिंह, रवींद्र सोनी, विजयंत गौतम, वैभव साहा सदस्यगण एवं कोड़ेनार पंचायत के आम जन उपस्थित थे।

कांकेर में 19 अगस्त को पिछड़ा वर्ग का महाआंदोलन: 27 प्रतिशत आरक्षण और अलग जनगणना कॉलम की मांग को लेकर बस्तर में तैयारी तेज

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के बैनर तले आगामी 19 अगस्त को कांकेर जिला मुख्यालय में एक विशाल महारैली और महाआंदोलन का आयोजन किया जा रहा है। 19 अगस्त - हक और अधिकार की हुंकार के नारे के साथ आयोजित इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बस्तर संभाग के सभी समाजों का समर्थन मिल रहा है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में जनसंपर्क और बैठकों का दौर तेज हो गया है। ग्राम घोटा और मोहगांव में आयोजित रात्रि बैठकों के साथ-साथ ग्राम नारायणपुर में भी पिछड़ा वर्ग समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के पदाधिकारी हरेश चक्रधारी और यशवंत चक्रधारी लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों को संगठित कर रहे हैं और 19 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में कांकेर पहुंचने का निमंत्रण दे रहे हैं। बैठकों में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि संपूर्ण पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक अधिकारों की है।

महाआंदोलन की 3 प्रमुख मांगे

पिछड़ा वर्ग समाज के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण तत्काल लागू किया जाए।आगामी राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए अलग कॉलम की व्यवस्था की जाए साथ ही जाति गत जनगणना किए जाने की मांग किया जा रहा है अब आवाज दबेगी नहीं, अधिकार की लड़ाई रुकेगी नहीं के संकल्प और एकता व संघर्ष के नारों के साथ समाज के प्रतिनिधियों ने बस्तर और कांकेर क्षेत्र के सभी समाज बंधुओं से 19 अगस्त को कांकेर में आयोजित इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

एनएमडीसी परियोजना द्वारा मनाई गई 80वें स्वतंत्रता दिवस

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल एनएमडीसी परियोजना में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण एवं कर्मचारी भीष्म कुमार साहू द्वारा ध्वजारोहण किया गया व राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी एवं उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों छात्र छात्राएं एवं नागरिकों ने राष्ट्रगान गाया। मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया। अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक ने स्वतंत्रता दिवस पर सविस्तार बताते हुए कहा कि एनएमडीसी ने देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं। उत्पादन व प्रेषण के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिसके लिए सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। समारोह में उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन के एल नागवेणी, सीआईएसएफ कमांडेंट, छात्र छात्राएं एवं अन्य उपस्थित थे।

साइबर अपराध के खिलाफ छत्तीसगढ़ पुलिस का 7 सप्ताह का 'साइबर जागृति अभियान'

कोण्डागांव में लता उसेण्डी ने QR कोड स्कैन कर अभियान का किया शुभारंभ

कोण्डागांव. साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक और सुरक्षित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक सात सप्ताह का 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और छत्तीसगढ़ को साइबर अपराध मुक्त बनाने की दिशा में प्रयास करना है। अभियान की मुख्य थीम 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' रखी गई है। इसके तहत प्रदेशवासी छत्तीसगढ़ पुलिस अथवा जिला पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल पर जारी लिंक पर क्लिक कर या क्यूआर कोड स्कैन कर जागरूकता संदेश वाली सेल्फी फ्रेम में अपनी सेल्फी ले सकेंगे। इसके बाद वे अपनी सेल्फी सोशल मीडिया पर शेयर करेंगे, जिससे साइबर सुरक्षा का संदेश उनके फ्रेंड्स और फॉलोअर्स तक पहुंचेगा।

कोण्डागांव में लता उसेण्डी ने किया शुभारंभ

कोण्डागांव जिले में प्रेस वार्ता के दौरान विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष लता उसेण्डी ने अभियान की लिंक और क्यूआर कोड जारी कर शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं क्यूआर कोड स्कैन कर सेल्फी ली और उसे सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों से अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। उन्होंने सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों, संस्थानों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, प्रोफेशनल्स, कलाकारों और गणमान्य नागरिकों से भी सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर करने का आह्वान किया। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना और नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने भी त्रुक कोड स्कैन कर सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर शेयर कर अभियान में सहभागिता की।

साइबर अपराध के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत : एसपी

पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने कहा कि जिस तरह देश की आजादी के लिए करोड़ों देशवासी एकजुट हुए थे, उसी तरह साइबर अपराध के खिलाफभी सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने आमजनों से 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' लेकर सोशल मीडिया पर शेयर करने और साइबर अपराध रोकने में कोण्डागांव पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

सात सप्ताह में अलग-अलग विषयों पर होंगे कार्यक्रम

पहला सप्ताहः स्कूल-कॉलेजों में डिजिटल सतर्कता और बुनियादी साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान। दूसरा सप्ताहः बैंकों और वित्तीय संस्थानों में वित्तीय धोखाधड़ी एवं यूपीआई सुरक्षा पर जागरूकता। तीसरा सप्ताहः वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल अरेस्ट और फर्जी कॉल के विषय पर टाउन हॉल कार्यक्रम। चौथा सप्ताहः महिला कॉलेजों और सामुदायिक समूहों में स्मार्टफोन प्राइवेसी एवं सुरक्षित ब्राउजिंग पर जागरूकता। पांचवां सप्ताहः रोजगार कार्यालय, आईटीआई एवं कौशल विकास केंद्रों में युवाओं को जॉब फ्रॉड और फिशिंग से बचाव की जानकारी। छठवां सप्ताहः डेटा प्राइवेसी और सोशल मीडिया की सीमाओं को लेकर जागरूकता अभियान। सातवां सप्ताहः ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में गांधी जयंती के अवसर पर 'साइबर मुक्त छत्तीसगढ़' का संकल्प अभियान।

2 अक्टूबर को होगा समापन

'साइबर जागृति अभियान' का समापन 2 अक्टूबर 2026, गांधी जयंती के दिन किया जाएगा। अभियान के दौरान जिला पुलिस और स्थानीय थानों द्वारा सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों, पार्कों और बाजारों में पोस्टर-बैनर के माध्यम से त्रुक कोड का प्रचार किया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल और व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से लिंक साझा कर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

आदेश्वर स्कूल में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस

कोंडागांव। आदेश्वर पब्लिक स्कूल की कोंडागांव और फरसगांव शाखाओं में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की पूजा-अर्चना के बाद ध्वजारोहण से हुई। इस दौरान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण जैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सचिव गितेश गांधी, कोषाध्यक्ष तेजस दीवान, कार्यकारिणी सदस्य तरुण गोलछा, ज्ञानचंद बाफना और विजय गोलछा भी मौजूद रहे। विद्यालय के अध्यक्ष बसंत पारख, निदेशक संगीता पारख और प्राचार्य सोनाली पांडे ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य सोनाली पांडे ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व के साथ देशभक्ति, एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारत की विविध संस्कृति की झलक दिखाई। प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों में उत्साह और देशभक्ति का संचार किया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि प्रवीण जैन और विद्यालय अध्यक्ष बसंत पारख ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए विद्यार्थियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक संगीत प्रशिक्षक भर्ती, आवेदन 27 अगस्त तक

बिलासपुर। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिले के 10 पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक संगीत प्रशिक्षक की सेवाएं ली जाएंगी। इन पदों पर नियुक्ति अधिकतम 31 मार्च 2027 तक के लिए की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को न्यूनतम 10 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा। अंशकालिक संगीत प्रशिक्षक के पद के लिए आवेदक के पास संगीत विषय में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य है। इस पद के लिए इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन 27 अगस्त 2026 तक जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, द्वितीय तल, जिला पंचायत भवन,बिलासपुर-495001, छत्तीसगढ़ के पते पर भेज सकते हैं। आवेदन केवल डाक, स्पीड पोस्ट अथवा कोरियर के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। कार्यालय में सीधे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र अमान्य माने जाएंगे। एक आवेदक बिलासपुर जिले में संचालित पीएमश्री विद्यालयों में से केवल एक विद्यालय के लिए आवेदन कर सकेगा। एक से अधिक विद्यालयों के लिए आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में समिति द्वारा अंतिम प्राप्त आवेदन पर ही विचार किया जाएगा। पद से संबंधित आवश्यक योग्यता, नियम एवं शर्तें तथा आवेदन पत्र का प्रारूप जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के द्वितीय तल, जिला पंचायत भवन में चस्पा किया गया है। इसके अलावा विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रारूप 222.द्ध्रद्दद्धड्ढद्वष्ठह्र.द्दश1.द्धठ्ठ पर भी उपलब्ध है।

मॉक एक्सरसाइज में परखी जाएगी बाढ़ से निपटने की तैयारी

बिलासपुर। जिले में बाढ़ जैसी आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए 20 अगस्त को राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया जाएगा। यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। मॉक एक्सरसाइज 20 अगस्त 2026, गुरुवार को सुबह 10.30 बजे कोरीडेम, कोटा में आयोजित की जाएगी। इस दौरान बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों की तैयारियों, आपसी समन्वय तथा त्वरित कार्रवाई की क्षमता का अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास के माध्यम से संभावित बाढ़ आपदा के दौरान किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों की व्यवस्थाओं को परखा जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े दलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और आपात स्थिति में त्वरित निर्णय एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने का अभ्यास किया जाएगा। मॉक एक्सरसाइज से पूर्व 18 अगस्त को टेबल टॉप एक्सरसाइज (ञ्ज्ञ्ज्ञ×) का आयोजन किया जाएगा। इसमें बाढ़ आपदा की संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा आपात स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। मॉक एक्सरसाइज के माध्यम से आम नागरिकों को आपदा की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से मॉक एक्सरसाइज के दौरान शांति बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बिलासपुर ने आम नागरिकों से अपील की है कि मॉक एक्सरसाइज के दौरान होने वाली गतिविधियों को लेकर किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल अधिकृत सूचनाओं पर भरोसा करें।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक 18 अगस्त को

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला जल स्वच्छता समिति (डीडब्ल्यूएसएम) की बैठक 18 अगस्त को टीएल बैठक उपरांत सवेरे 11 बजे जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में होगी। बैठक में पूर्ण एवं हस्तांतरित योजनाओं का भुगतान देयक हेतु अनुमोदन, भू-जल जेजेएम 2.0 कार्य योजना का प्रस्ताव, सोलर योजना की लागत जीएपी एवं जिला स्तरीय परीक्षण प्रयोगशाला में यूपीवीसी पाईप के ऐश कंटेन्ट जांच हेतु उपकरण व रसायन जेम पार्टल से क्रय हेतु प्राक्कलन की लागत राशि रू. 1.53 लाख का स्वीकृति संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इसके अलावा कलेक्टर की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 21 अगस्त तक

बिलासपुर। छत्तीसगढ फिल्म लोककला एवं मिनी थियेटर सहकारी समिति मर्यादित बिलासपुर की मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन किया गया है। सूची के संबंध में 21 अगस्त तक सदस्यों द्वारा आपत्ति दावा किया जा सकता है। 22 अगस्त को दावा आपत्ति का निराकरण कर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय बिलासपुर में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमा एवं उत्साह पूर्वक के साथ मनाया गया..

■ महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर रेल परिवार व उपस्थित जनों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में आज 15 अगस्त 2026 को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस पारंपरिक उत्साह, उल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने मुख्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत की धुन से पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से गुंजायमान हो उठा। समारोह के दौरान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने रेलवे सुरक्षा बल, सिविल डिफेंस, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड के जवानों एवं स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक परेड का निरीक्षण किया। आरपीएफ के सुमधुर बैंड की शानदार प्रस्तुति ने समारोह में देशभक्ति और उत्साह का संचार करते हुए उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। अपने संबोधन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने सभी रेलकर्मियों एवं उनके परिवारजनों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 15 अगस्त केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन अमर स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करने का पावन अवसर है। उन्होंने सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेलवे देश की एकता, प्रगति और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाली सशक्त जीवनरेखा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी संरक्षित, समयबद्ध, आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित रेल सेवाओं के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने सेवा, संरक्षा, नवाचार और उत्कृष्टता के मूल्यों के साथ भारतीय रेलवे को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का संकल्प दोहराया। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्टेशनों के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं डिजिटल सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 15 स्टेशनों पर विकास कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जिनमें से 6 स्टेशनों का उद्घाटन हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। गत वर्ष 14 एस्केलेटर, 5 लिफ्ट एवं 12 नए फुट ओवर ब्रिज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए 207 स्टेशनों को व्हीलचेयर हेतु उपयुक्त बनाया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 261.25 मिलियन टन माल लदान के साथ पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई तथा ?30,410 करोड़ की ऑरिजिनेटिंग फ्रेट आय के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान पर रहा।

उसलापुर रेलवे स्टेशन में शुरू हुआ प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट.....

■ यात्रियों को मिलेगी एयरपोर्ट जैसी आधुनिक, स्वच्छ एवं उच्च गुणवत्ता वाली खानपान सुविधा

बिलासपुर। यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर बेहतर, स्वच्छ, सुविधाजनक एवं उच्च गुणवत्ता वाली खानपान सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। मंडल के उसलापुर रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट की शुरुआत की गई है। इस सुविधा के प्रारंभ होने से यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही आधुनिक वातावरण के साथ प्रतिष्ठित ब्रांड के गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे। यह पहल यात्रियों के खानपान अनुभव को और बेहतर बनाने के साथ रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं में आधुनिकता एवं गुणवत्ता के नए मानक स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आउटलेट को यात्रियों की सुविधा, स्वच्छता और बेहतर सेवा को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का पहला प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट उल्लेखनीय है कि उसलापुर रेलवे स्टेशन पर

प्रारंभ किया गया यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का पहला प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट है। इसके माध्यम से यात्रियों को स्टेशन पर ही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के खाद्य एवं पेय ब्रांड की सुविधाएं उपलब्ध कराने की पहल की गई है। आउटलेट में यात्रियों को स्वच्छ, ताजा, गुणवत्तापूर्ण एवं स्वादिष्ट खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे। विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों, परिवार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों तथा ट्रेन के आगमन-प्रस्थान के बीच कम समय में भोजन या जलपान की आवश्यकता वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा अत्यंत उपयोगी साबित होगी।

कौशल विकास केन्द्र कोनी में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया...

बिलासपुर। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन परियोजना एवं अंबुजा फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित कौशल विकास केन्द्र, कोनी में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस अत्यंत गौरव एवं देशभक्ति के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रशिक्षणार्थियों द्वारा देशभक्ति भाषण, एकल गायन, समूह गायन एवं समूह नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी प्रतिभा एवं उत्साह के माध्यम से राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्लेसमेंट ऑफिसर सुश्री निमिषा मैम ने प्रेरणादायक देशभक्ति संबोधन देते हुए युवाओं को अपने कौशल एवं मेहनत के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कुशल एवं आत्मनिर्भर युवा ही मजबूत और विकसित भारत की आधारशिला हैं। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को रिफ्रेशमेंट प्रदान किया गया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, अनुशासन एवं देशभक्ति का वातावरण बना रहा। इस प्रकार स्वतंत्रता दिवस समारोह गौरवपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एसईसीएल में 80वें स्वतंत्रता दिवस पर 80 पौधों का रोपण

बिलासपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्श्चष्टरु) द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करते हुए इंदिरा विहार कॉलोनी में 80 पौधों का रोपण किया गया। यह पहल स्वतंत्रता के 80वें वर्ष को प्रकृति संरक्षण और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जोड़ने का संदेश देती है। पौधरोपण कार्यक्रम में स्श्चष्टरु के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन, निदेशक (तकनीकी-संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी-योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र, एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला एवं श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन, उपाध्यक्षागण - श्रीमती अनिता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनिता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्र सहित मुख्यालय के विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर ष्टरूष्ठ स्श्चष्टरु श्री हरीश दुहन ने कहा कि 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर स्श्चष्टरु परिवार ने एक हरित पहल करते हुए 80 पौधों का रोपण किया है। यह केवल पौधरोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प है। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए स्श्चष्टरु सतत एवं उत्तरदायी खनन की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्श्चष्टरु ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन और हरित पहलों को भी समान महत्व दे रहा है। खनन क्षेत्रों में पुनर्वास, भूमि पुनर्विकास, पौधरोपण तथा इको-पार्क जैसी पहलों के माध्यम से कंपनी खनन के बाद भूमि को पर्यावरणीय एवं सामाजिक उपयोग के लिए विकसित करने की दिशा में कार्यरत है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी सामूहिक जिम्मेदारी को दोहराया।

स्काउटिंग को स्कूलों तक पहुंचाने की तैयारी, 3000 नए स्काउट्स जोड़ने का लक्ष्य

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों को जिले में और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए संगठनात्मक विस्तार, प्रशिक्षण और विद्यालयों से समन्वय पर जोर दिया गया। बैठक में अधिक से अधिक विद्यालयों में स्काउट-गाइड इकाइयां शुरू करने और करीब 300 नए स्काउट्स को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता जिला संघ बिलासपुर के जिला मुख्य आयुक्त श्री राजेंद्र साहू ने की। विशिष्ट अतिथि संयुक्त सचिव श्रीमती बीना यादव रहीं। राज्य मुख्यालय आयुक्त (स्काउट) श्री रविश गुप्ता, राज्य सहायक आयुक्त (स्काउट) श्री राकेश सोंथालिया, श्री विजय कुमार यादव एवं श्री भूपेंद्र शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में स्काउटिंग को विद्यालय एवं समुदाय से जोड़ने, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने और स्काउट मास्टर व गाइड कैप्टन के प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। प्रत्येक ब्लॉक में बैठकें आयोजित कर गतिविधियों की समीक्षा करने तथा प्राचार्यों, शिक्षा अधिकारियों और विद्यालय संचालकों से समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए गए। स्काउटिंग के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व, सेवा भावना और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। बच्चों के प्रशिक्षण, ड्रेस एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के साथ नियमित रूप से विद्यार्थियों से संपर्क बनाए रखने की बात कही गई। जिले में संगठनात्मक गतिविधियों के लिए स्न्ह्लक्क ग्रुप बनाने, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को जोड़ने तथा मासिक बैठकों को नियमित करने पर भी सहमति बनी। साथ ही ड्डह्य निर्माण एवं अद्यतन, विद्यालयों में संचालित इकाइयों की जानकारी और विकासखंड स्तर की गतिविधियों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अजय कौशिक, जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर, डॉ. नवनीत कौशिक, जिला मुख्यालय आयुक्त (स्काउट), श्रीमती आरती राय, एपीसी समग्र शिक्षा एवं सहायक जिला आयुक्त (गाइड) विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी सहित स्काउट एवं गाइड के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कहा गया कि स्काउटिंग केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। सितंबर माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा करते हुए आगामी गतिविधियों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

एसईसीएल में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

बिलासपुर। एसईसीएल में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वसंत विहार खेल मैदान एसईसीएल बिलासपुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर, परेड की सलामी ली। इस अवसर पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने परेड कमांडर व्ही. दक्षिणामूर्ति एवम वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक डी.पी दिवाकर के नेतृत्व में आयोजित मुख्य परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने अपने संदेश में कहा कि भारत की तेज आर्थिक प्रगति के साथ ऊर्जा की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हाल के वैश्विक एवं भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने एक बार फिर ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया है। संकट की परिस्थितियों में घरेलू कोयला देश की ऊर्जा व्यवस्था के लिए एक भरोसेमंद स्रोत साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि एसईसीएल के खनिक श्रमवीरों का परिश्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्र की विकास यात्रा से सीधे जुड़ा है तथा कंपनी गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध कोयला आपूर्ति के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने एसईसीएल परिवार के सभी कर्मचारियों, श्रमिकों, परिवारों एवं हितधारकों के सामूहिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इसी एकजुटता और प्रतिबद्धता के साथ एसईसीएल राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निरंतर मजबूत करता रहेगा। वसंत विहार खेल मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में निदेशक (तकनीकी-संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी-योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र, एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला एवं श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन, उपाध्यक्षागण

- श्रीमती अनिता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनिता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्र सहित मुख्यालय के विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रमसंध प्रतिनिधिगण, एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे। इससे पूर्व मुख्यालय प्रशासनिक भवन प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने ध्वज फहराया एवं सुरक्षा टुकड़ी की सलामी ली। मुख्य समारोह में अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से कबूतर एवं गुब्बारे आकाश में छोड़कर शांति का संदेश दिया। समारोह में डीएव्ही पब्लिक स्कूल, लोयला स्कूल, होली नर्सरी स्कूल, ड्रीमलैंड एवं कृष्णा पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा विविध देशभक्ति गीत-नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के करकमलों से उत्कृष्ट कवायद दल, सर्वोत्कृष्ट कवायद दल एवं उत्तम पोशाक के लिए परेड में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एसईसीएल कर्मियों व् उनके बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य कार्यक्रम के पश्चात सीएमडी श्री हरीश दुहन ने निदेशकगण, सीवीओ, श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन एवं उपाध्यक्षगण की उपस्थिति में वसंत विहार कॉलोनी में नवनिर्मित 'सृजन' (जी+4) सीनियर एग्जीक्यूटिव हॉस्टल का लोकार्पण किया। समारोह में उद्घोषणा का दायित्व श्री पाणी पंकज पांडे, वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर) एवं सुरक्षा निरीक्षक श्री एम.पी. जांगड़े ने निभाया।

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीर्त तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत- अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

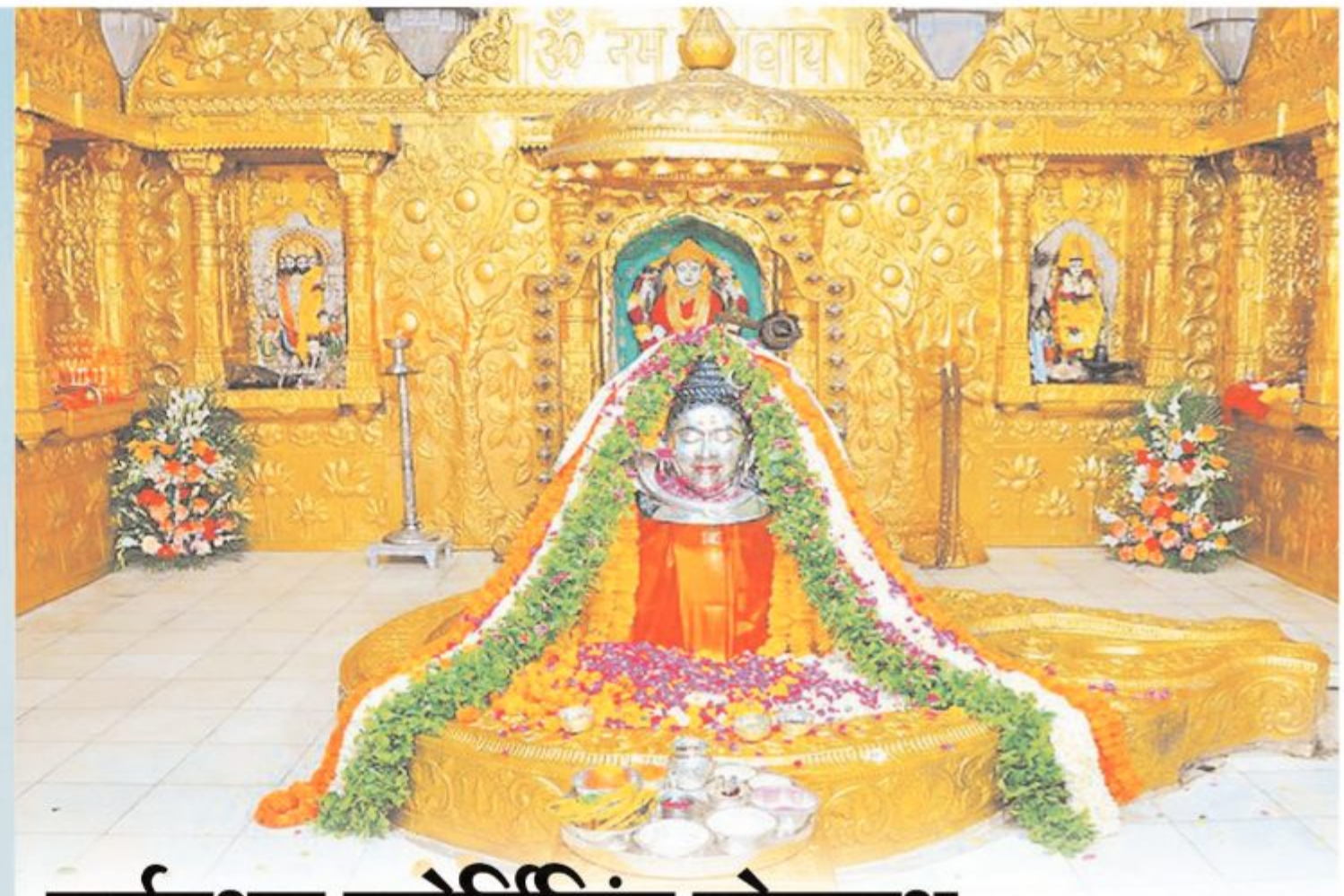

सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ
भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन- प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने मे श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गाईड के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय
हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटो से दूर रखने की प्रेरणा देता है।

सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम ततुल्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

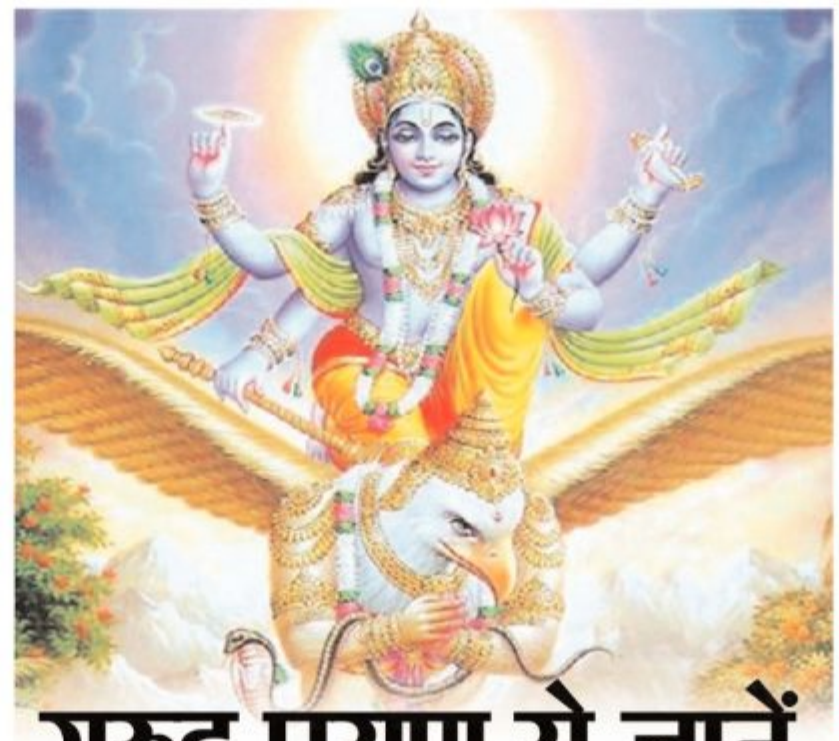

गरुड़ पुराण से जानें
कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती है, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जूड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत- जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

वंदे मातरम् के अपमान के विरोध में भिलाई में गूंजी राष्ट्रभक्ति की हुंकार, भाजयुमो भिलाई ने मशाल जलाकर किया जोरदार विरोध

भिलाई। कांग्रेस राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सार्वजनिक अपमान के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या जी के आह्वान पर देशभर में आयोजित मशाल प्रदर्शन के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भिलाई द्वारा आज जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

भाजपा जिला भिलाई अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम देवांगन जी के निर्देश में एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल जी के नेतृत्व में शाम 5 बजे पावर हाउस चौक, भिलाई में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने हाथों में मशाल लेकर राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ कांग्रेस के रवैये का विरोध किया तथा सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन कर राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान और अपनी राष्ट्रनिष्ठा का संदेश दिया।

इस अवसर पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा, करोड़ों देशवासियों की भावनाओं और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। इसके अपमान को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना से जुड़े प्रतीकों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

मशाल प्रदर्शन के दौरान 'वंदे मातरम्', 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' के नारों से पूरा पावर हाउस क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। युवा कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि राष्ट्रगौरव और राष्ट्रीय सम्मान के विषय पर भारतीय जनता युवा मोर्चा सदैव मजबूती से आवाज उठाता रहेगा।

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भिलाई ने इस प्रदर्शन के माध्यम से स्पष्ट किया कि राष्ट्रसम्मान के मुद्दे पर युवा शक्ति पूरी मजबूती के साथ देश के साथ खड़ी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिव्या भसीन जी महेश वर्मा जी शिरीष अग्रवाल जी , भाजपा जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल खिलावन साहू जी कार्यक्रम के प्रभारी प्रशम दत्ता सह प्रभारी अभिषेक पाण्डेय नवीन सिंह भाजयुमो जिला महामंत्री विनय सेन अमित राजपूत संजय जायसवाल भाजपा जिला प्रवक्ता विजय सिंह जी भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह,तरुण सिंह, दीपक भोंडेकर,ए गौरीशंकर राजू श्रीवास्तव दुर्गेश चौधरी भाजयुमो जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री उपास्थित रहे

अनूप कुमार लकड़ा को दी विदाई, प्रांशु तिवारी का किया स्वागत

पाटन। पाटन अनुविभाग (पुलिस) के अनुविभागीय अधिकारी अनूप कुमार लकड़ा के स्थानांतरण के बाद शनिवार को एसडीओपी कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पाटन के नए एसडीओपी के रूप में पदस्थ प्रांशु तिवारी का स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह में एसडीओपी कार्यालय के स्टाफके अलावा पाटन अनुभाग के थाना पाटन, ऊतई, रानीतराई, जामगांव आर, अमलेश्वर और अंडा के थाना प्रभारियों ने अनूप कुमार लकड़ा को विदाई दी तथा नवपदस्थ एसडीओपी प्रांशु तिवारी का स्वागत किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत पाटन की ओर से अध्यक्ष योगेश निर्मी भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, पार्षद देवेंद्र ठाकुर तथा जिला मानस संघ के अध्यक्ष मेहतर वर्मा ने भी सम्मान किया।

कार्यक्रम में पाटन थाना प्रभारी राजेश मिश्रा, ऊतई थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज, रानीतराई थाना प्रभारी हुब लाल चंद्राकर, जामगांव आर थाना प्रभारी मोहम्मद तारिक, अमलेश्वर थाना प्रभारी बसंत बघेल और अंडा थाना प्रभारी शिव कुमार चंद्रा उपस्थित रहे।

इसके अलावा एसडीओपी कार्यालय के चंद्रभान बर्रे, उत्तम देशमुख, राधेश्याम वर्मा, सुरेंद्र साहू, कुलेश्वर साहू, नीरज लिम्बू, रामेश्वर साहू और घनाराम निषाद सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

कांग्रेस कमेटी कार्यालय में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बल्लीराजहरा। देश की आज़ादी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा द्वारा कांग्रेस कमेटी कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतिराम कोसमा ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात उपस्थित कांग्रेस जनों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान किया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के उपरांत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतिराम कोसमा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज का स्वतंत्रता दिवस संदेश उपस्थित कांग्रेस जनों के समक्ष वाचन किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस के योगदान, देश की एकता-अखंडता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए कांग्रेस जनों की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस अवसर पर रतिराम कोसमा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश को आज़ाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज आवश्यकता है कि हम संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक सदभाव और देश की एकता को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में मुख्य रूप से रवि जायसवाल, के. ईश्वर राव, लक्ष्मण शर्मा, अभय सिंह, पूर्व अध्यक्ष अशोक बाम्बेश्वर, श्रीनिवास राव,राकेश जायसवाल, रुरुति यादव, प्राची सिन्हा, दिनेश, हिमेश।

रिसाली में तिरंगा यात्रा : अर्धसैनिक बल की टुकड़ी के साथ विधायक व आयुक्त ने दिया देश भक्ति का संदेश

रिसाली। राष्ट्रव्यापी तिरंगा अभियान का आयोजन गुरूवार को नगर पालिक निगम रिसाली ने किया। दुर्ग ग्रामीण विधायक और रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने बीएसएफके जवानों के साथ हांथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति का संदेश दिया। इस दौरान आम नागरिकों से अपील की गई कि स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में तिरंगा अवश्य फहरायें। तिरंगा यात्रा की शुरूआत दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर से किया गया। रैली की शक्ल में यात्रा परशुराम चौक होते हुए जोहर चैक और कृष्णा टॉकिज रोड होते हुए शहीद रजनीकांत स्मारक स्थल पहुंची, जहां पर शहीद रजनीकांत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित करने और आमजनों में राष्ट्रव्यापी अभियान घर-घर तिरंगा का संदेश पहुंचाना था। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद रमा साहू, धर्मेन्द्र भगत, शीला नारखेड़े, ईश्वरी साहू, ममता सिन्हा, सरिता देवांगन समेत नगर पालिक निगम रिसाली के अधिकारी कर्मचारी शामिल थे।

जवानों ने किया मार्च- तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश भक्ति का जज्बा जगाना है। इस पद यात्रा में हांथों में तिरंगा लेकर सबसे पहले सीआईएसएफ, बीएसएफके 100 से भी अधिक जवान हांथों में तिरंगा लेकर चल रहें थे।

जनसंपर्क कार्यालय में ध्वजारोहण

दुर्ग। स्वतंत्रता दिवस पर जिला जनसंपर्क कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। संयुक्त संचालक (जनसंपर्क) एम.एस. सोरी ने कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान कर तिरंगा झण्डे को सलामी दी। इस दौरान कार्यालय के सहायक सूचना अधिकारी सुश्री भारती साहू, सहायक ग्रेड-2 श्रीमती कनक कोमरा एवं श्री दिनेश साहू, श्रीमती हिमेश ठाकुर, कम्प्यूटर ऑपरेटर अंजली फूले, मंजू कोमरा उपस्थित थे।

वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति सदैव प्रेरणा देती रहेगी' – श्रीमती कीर्ति नायक

खम्हरिया में लोधी समाज ने हर्षोल्लास से मनाई वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती

पाटन। ग्राम खम्हरिया में लोधी समाज द्वारा वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी की जयंती हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक जी सहित जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक जी ने कहा कि वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी का साहस, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष कर मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनका जीवन हमें देशप्रेम, साहस और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।

श्रीमती नायक जी ने कहा कि वीरांगना रानी अवंतीबाई जैसी महान विभूतियों की जयंती मनाने का उद्देश्य उनके गौरवशाली इतिहास और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। समाज को शिक्षा, संस्कार और एकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी गौरवशाली परंपराओं को सहेजना चाहिए।

कार्यक्रम में लोधी समाज के प्रदेश महामंत्री घनश्याम कौशिक, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, ग्राम सरपंच सोनिया यदु, उपसरपंच मनोज देशलहरे, समाज अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशिक एवं सचिव सुरेंद्र सिंगौर सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजा (कुरहा) द्वारिका सिंगौर, बल्ला सिंगौर, प्रकाश सिंगौर, ओंकार कौशिक, मुकेश सिंगौर, खिलेश सिंगौर, नरेंद्र विश्वकर्मा, गुमान सिंगौर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

नागरिक सहकारी बैंक में स्वतंत्रता दिवस पर शान से लहराया तिरंगा

दुर्ग। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, सिद्धी विनायक (गणेश) मंदिर रोड, अस्पताल वार्ड, पचरीपारा दुर्ग में गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम बैंक अध्यक्ष कमल नारायण रूंगटा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में निर्धारित नये नियमानुसार सर्वप्रथम राष्ट्रगीत एवं तत्पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इसके बाद बैंक अध्यक्ष कमल नारायण रूंगटा ने ध्वजारोहण कर उपस्थित सभी लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए उनके त्याग और बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को

मजबूत बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश कुमार ध्रुव, संयुक्त पंजीयक एवं संयुक्त आयुक्त, सहकारी संस्थाएं, दुर्ग संभाग उपस्थित रहे। उन्होंने भी स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अनेक वीरों के त्याग और संघर्ष के परिणामस्वरूप हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। उन्होंने सभी से देश की स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सहेजकर रखने तथा राष्ट्रहित में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बैंक के उपाध्यक्ष मनोज कुमार ताम्रकार, श्रीमती नीलू देवांगन, संचालकगण संजय सिंह, अरविंद चंद सुराना, श्रीमती सुनीता अग्रवाल, तेज बहादुर बंछोर, श्रीमती वसुंधरा चौरे, अखिलेश मिश्रा, बैंक प्रतिनिधि संजय जैन, गजेन्द्र जोशी, थानेश्वर सिंह ठाकुर सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रप्रेम, एकता और देश की सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

स्वतंत्रता दिवस पर शहीद परिवार और 132 अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

कवर्धा। जिला मुख्यालय के आचार्य पंथ श्री गुंधमुनि नाम शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदान में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। जिले के प्रभारी एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् और राष्ट्रगान के साथ पुलिस बैंड की धुन पर राष्ट्रीय सलामी दी गई। मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन किया। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। इसके बाद रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। समारोह में 10 प्लाटून ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। 17वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ बल ने सशस्त्र वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जिला पुलिस बल पुरुष द्वितीय और नगर सेना तृतीय रही। जूनियर वर्ग में एनसीसी बालक पीजी कॉलेज प्रथम रहा। जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति और छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय प्रथम, स्वामी आत्मानंद स्कूल दुर्गावती चौक द्वितीय और अभ्युदय स्कूल तृतीय रहा। स्वतंत्रता दिवस पर शहीद जवानों के परिवारों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। शहीद आरक्षक झल्लु प्रसाद नेवले के पुत्र जितेन्द्र नेवले, शहीद आरक्षक चंद्र सिंह मेरावी की पुत्री संगीता मेरावी और शहीद नरेंद्र शर्मा के भतीजे हिरेन्द्र शर्मा को शॉल, श्रीफल एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 132 अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत में अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

डोंगरगांव नगर। नगर में आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर समस्त कार्यालयों में झंडारोहण हुआ। जनपद पंचायत परिसर में अध्यक्ष रंजीता पड़ौती द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष मनीष साहू, सदस्यगण गेंदाबाई साहू, विवेक मंडावी, सरिता साहू, हरिला साहू, सीईओ रोशनी भगत, एसडीओ श्रीकांत देवांगन सहित समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे। नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर समाजसेवी लक्ष्मीनारायण गुप्ता, समाजसेवी डीकेश साहू, आकाश त्रिपाठी, वरिष्ठ नागरिक संपत शर्मा, समस्त एल्डरमैन व समस्त पार्षदगण, सीएमओ विनम्र जेमा सहित समस्त कर्मचारीगण, स्वच्छता दीदी व सफाई मित्र उपस्थित थे।

झंडाचौक में समाजसेवी केके वैष्णव ने किया ध्वजारोहण

डोंगरगांव नगर। नगर में 80 वां स्वतंत्रता दिवस उमंग व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर नगर के समस्त प्रायवेट व शासकीय संस्थानों में शान से झंडा फहराया गया। स्कूली बच्चों ने प्रातःकाल प्रभातफेरी निकालकर नगर भ्रमण किया। नगर के ऐतिहासिक झंडाचौक में वरिष्ठ नागरिक व समाजसेवी कृष्णकुमार वैष्णव ने झंडारोहण किया। इसी प्रकार अनुभाग के समस्त विभागों के मुख्यालय में विभागीय अफसरों द्वारा झंडारोहण किया गया। नगर के समस्त स्कूलों के

बच्चों की प्रभातफेरी नगर भ्रमण करते हुए झंडाचौक पुराना बसस्टैंड परिसर पहुँची। इस दरम्यान वरिष्ठ नागरिक कृष्ण कुमार वैष्णव ने झंडारोहण कर झंडे को सलामी दी। इस मौके पर समाजसेवी लक्ष्मीनारायण गुप्ता, जिला महामंत्री डीकेश साहू, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता व सीएमओ विनम्र जेमा सहित समस्त पार्षदगण व एल्डरमैन तथा समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण, नागरिकगण व स्कूली बच्चे बड़ी तादात में उपस्थित थे। अनुभाग मुख्यालय में स्थित समस्त विभागों के कार्यालयों में विभागीय अफसरों द्वारा झंडारोहण किया गया। अनुभाग कार्यालय में एसडीएम अनिकेत साहू, बैराज संभाग में ईई भूपेंद्र बावनठडे, तहसील कार्यालय में तहसीलदार कमल किशोर साहू।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com